22- JAN- K&C- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 1/23/2024 12:03 AM Page 1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह कैलेंडर पर लिखी तारीख नहीं, नए कालचक्र का उद्गम है

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने 8000 से अधिक अतिथि, रामभक्त

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

- नरेंद्र मोदी

84 सेकंड में जी उठीं कई सदियां

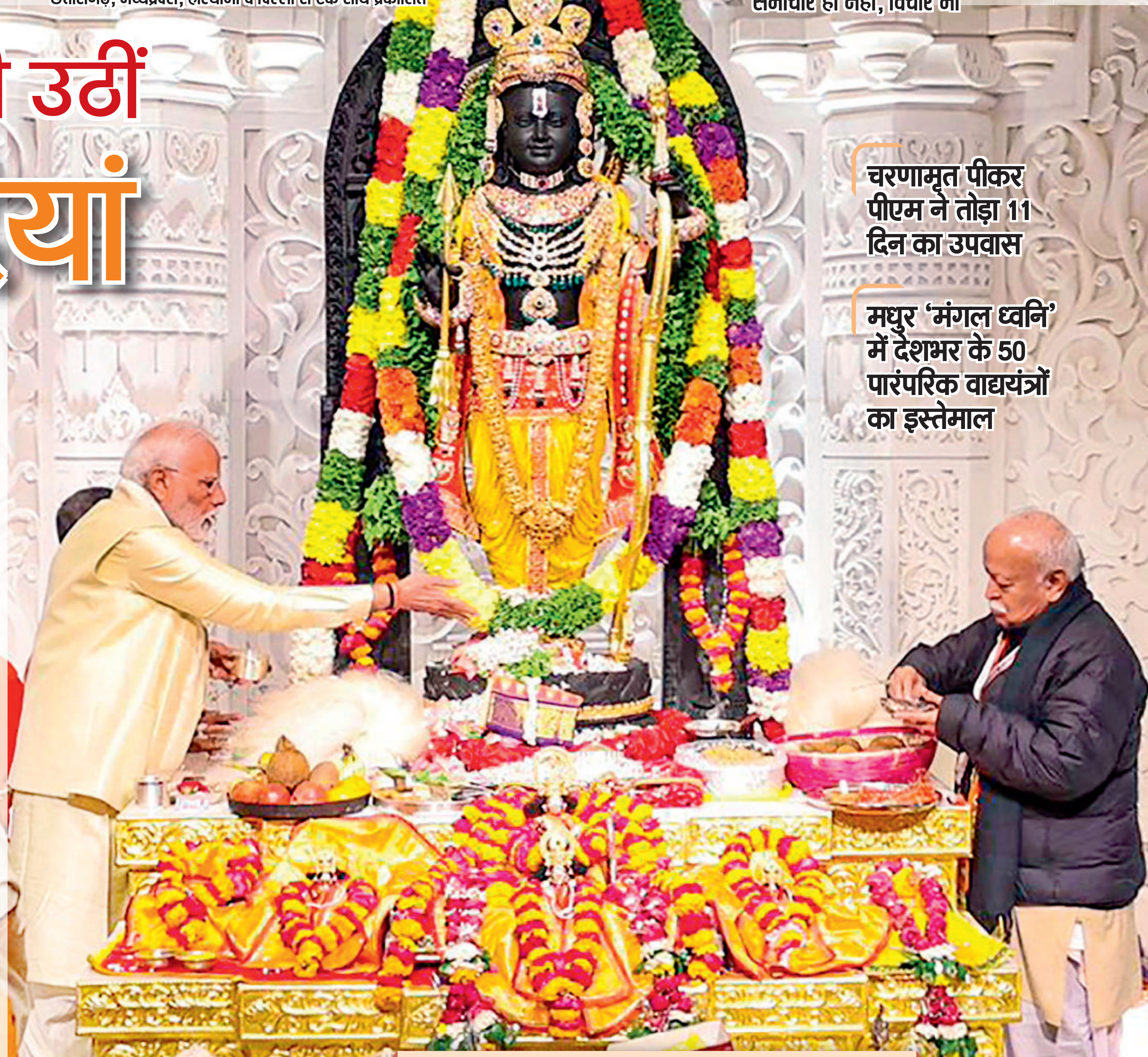

चरणामृत पीकर पीएम ने तोड़ा 11 दिन का उपवास

मधुर 'मंगल ध्वनि' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। पीएम मोदी 84 सेकंड के 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुई 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ मंदिर में कई अनुष्ठान किए। अनुष्ठान खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने भगवान राम के बाल स्वरूप वाली मूर्ति को साष्टांग प्रणाम किया। इधर, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में मंदिरों को फूलों और लाइट से सजाया गया। अलग-अलग जगहों पर लाखों दीये जलाए गए।

राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अलौकिक पल के साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' का उद्घोष किया। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सेना के हेलीकॉप्टरों ▶▶| शेष पेज 3 पर

- देशभर में दिवाली गांव से शहर तक रामनाम की रही धूम
- आज से रामलला के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु
- पीएम ने मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों से की बात, बरसाए फूल

पीएम मोदी ने कहा

त्याग, तपस्या के बाद आए हैं राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल जीत का नहीं बल्कि विनम्रता का है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। उन्होंने कहा कि लंबी प्रतीक्षा, त्याग, तपस्या और सदियों के बलिदान के बाद हमारे राम आज आए हैं। पीएम मोदी ने अपने 36 मिनट के भाषण में कहा, हमें आज से, ▶▶| शेष पेज 3 पर

भागवत बोले

एकजुट रहें, क्योंकि राम राज्य आ रहा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है। देश में सभी को मतभेद त्याग कर एकजुट रहना चाहिए। भागवत ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अकेले ही तप किया है और अब हम सभी को यह करना है। भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण ▶▶| शेष पेज 3 पर

राम का ननिहाल हुआ निहाल, मनी दिवाली

मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और महंत रामसुंदर दास भी रहे शिवरीनारायण के कार्यक्रम में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ भी राम के रंग में रंगा रहा। राज्यभर में दिवाली जैसा माहौल रहा। दिनभर पूजा-पाठ, भंडारे के बाद शाम को आतिशबाजी और पटाखों ने उत्साह दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि में से एक शिवरीनारायण पहुंचे, जहां भगवान श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। यहां पर मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा अर्चना करने के साथ अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण भी देखा। इसके ▶▶| शेष पेज 3 पर

साव- शर्मा ने की पूजा-अर्चना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सवेरे बिलासपुर के तिलक नगर स्थित श्रीराम मंदिर में सपत्नीक श्रीराम भगवान की पूजा-अर्चना की। ▶▶| शेष पेज 3 पर

बृजमोहन रायपुर के कार्यक्रमों में

धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल राजधानी रायपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों में आयोजित रामोत्सव समारोह में शामिल हुए। श्री अग्रवाल दूधाधारी मठ स्थित राम दरबार, सदर बाजार स्थित मंदिर एवं आकाशवाणी चौक स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर ▶▶| शेष पेज 3 पर

देशभर में रामोत्सव

- मुंबई के सायन कोलीवाड़ा इलाके में 10,000 वर्ग फीट में भगवान राम की विशाल रंगोली बनाई गई
- अयोध्या राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के बाद लाखों दीयों से रोशन हुआ सरयू घाट

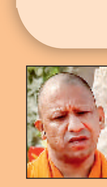

आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर ग्राम, हर नगर अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी हैं। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। यह 'राम राज्य' की शुरुआत है। ऐसा लगता है कि हम त्रेता युग में प्रवेश कर गए हैं।

- योगी आदित्यनाथ

- प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु
- जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सबसे ऊंचे मंदिर पर युवाओं ने भगवान राम का झंडा फहराया

बिलासपुर, मंगलवार 23 जनवरी 2024
haribhoomi.com

टाइम्स स्क्वायर

राम रंग में रंगी दुनिया

न्यूयार्क। अयोध्या में सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जश्न का मौहाल है। अमेरिका से लेकर मॉरीशस और त्रिनिडाड और टोबैगो जैसे देशों में रामभक्तों का उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के न्यूयॉर्क से लेकर वॉशिंगटन और लॉस एंजेलिस तक रामभक्त भक्ति और आस्था में डूबे नजर आए। न्यूयॉर्क के लोकप्रिय टाइम्स स्क्वायर पर प्रार्थनासभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कार रैली निकाली गई और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

टाइम स्क्वायर से एफिल टावर तक जश्न

अमेरिका से मॉरिशस तक रामभक्ति में डूबे लोग

कहीं कार रैली, कहीं रामलला उत्सव की धूम

टाइम्स स्क्वायर

जनकपुर में झूमे लोग

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर नेपाल स्थित माता सीता की नगरी जनकपुर में अयोध्या जैसा भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। माता सीता की नगरी जनकपुर में राम भक्त बड़े ही उत्साह के साथ झूम रहे हैं। लोग सड़क पर आकर जनकपुर महल के सामने खुशी से नृत्य करने लगे। वहीं इस दौरान लोगों ने शोभायात्रा निकालकर अपने उत्साह को प्रकट किया।

रामम‌य हुआ अमेरिका

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखने के लिए भारतीय समुदाय के हजारों नागरिक उमड़े। इस दौरान टाइम्स स्क्वायर श्रीराम और राम मंदिर की 3डी तस्वीरों से सरोबार हो गया। यहां पारंपरिक पोशाक में लोगों को भजन गाते और नाचते देखा जा सकता है। वहीं, वॉशिंगटन डीसी के वर्जीनिया की फेयरफैक्स काउंटी में एसवी लोटस मंदिर पर भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी नागरिकों सहित 2500 से अधिक लोग शामिल हुए। इस मौके पर लॉस एंजेलिस में कार रैली का आयोजन किया। लगभग 250 काफिले की इस रैली में 1000 लोगो ने हिस्सा लिया।

मॉरिशस, त्रिनिडाड एंड टोबैगो में जश्न

त्रिनिदाद और टोबैगो में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान 5000 से अधिक लोग शरीक हुए। इसी तरह, मॉरिशस सरकार में सरकारी कर्मचारियों के लिए दो घंटे की विशेष छुट्टी का ऐलान किया था। इस दौरान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार ने कहा कि यह खुशी का मौका है कि श्रीराम अयोध्या आए हैं।

एफिल टॉवर, पेरिस

फिजी में उत्सव ऑस्ट्रेलिया में कार रैली

फिजी की राजधानी सुवा में इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस ने भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। ऑस्ट्रेलिया में भी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कई सार्वजनिक कार्यक्रम किए गए। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के सैकड़ों मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 1 लाख कार्यक्रम

अयोध्या के राम मंदिर में संपन्न हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देशभर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। केवल व्यापारिक संगठनों की बात करें, तो विभिन्न प्रदेशों में लगभग 50 हजार जगहों पर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ हुआ है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल का कहना है, इस अवसर पर देश के विभिन्न शहरों की मार्केट में 30 हजार से अधिक स्थानों पर भंडारे लगाए गए हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक राम को लेकर करीब 40 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस तरह देशभर में आयोजित सभी कार्यक्रमों को मिलाकर वह आंकड़ा, एक लाख की संख्या को पार कर गया है।

- **50,000 जगहों पर सुंदरकांड, 30 हजार भंडारों का आयोजन**

आज से आप भी कर सकेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या के राम मंदिरा में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुक है। 22 जनवरी को वीआईपी आवागमन के लिए राम मंदिर को आम जनता के लिए नहीं खोला गया था। हालांकि 23 जनवरी से सभी लोग रामलला के दर्शन कर पाएंगे। हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसलिए रामलला के दर्शन के लिए हर श्रद्धालु को 15 से 20 सेकंड का ही समय मिलेगा।

ऐसे होगी बुकिंग

आरती में शामिल होने के लिए पास जारी किए जाएंगे। ये पास श्रीराम जन्मभूमि के कैम्प ऑफिस से मिलेंगे। आरती शुरू होने से आधे घंटे पहले पास मिलेगा। पास लेने के लिए सरकारी आईडी प्रूफ साथ ले जाना होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर भी पास लिया जा सकता है।

कब कर सकेंगे दर्शन?

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के मुताबिक, मंदिर को दर्शन के लिए सुबह और शाम साढ़े 9 घंटे खोला जाएगा। सुबह 7 बजे से 11.30 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शन हो सकेंगे।

आरती का समय

वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, सुबह साढ़े 6 बजे और शाम को साढ़े 7 बजे आरती होगी। सुबह की आरती में शामिल होने के लिए पहले से बुकिंग करवानी होगी।

छलक पड़े आंसू... गले लगकर खूब रोईं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती

जब जीवन का सबसे बड़ा सपना पूरा होता है तो उसकी खुशी को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शुमार रहीं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी भव्य राम मंदिर को अपनी आंखों के सामने देख अपने आंसू नहीं रोक पाई और दोनों नेता गले लगकर खूब रोईं। दोनों की तस्वीरें सामने आईं हैं। 6 दिसंबर 1992 को जब अयोध्या में लाखों कारसेवक पहुंचे थे तो कारसेवकों की भीड़ का नेतृत्व करने वालों में साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी शामिल थीं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वर्ल्ड मीडिया में रही चर्चा

अमेरिका, ब्रिटेन से लेकर अरब के समाचार-टीवी चैनलों ने दी जगह

नई दिल्ली। अयोध्या में बन रहे विशाल राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। भारत के लोग ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के बीच भी आज दीवाली जैसा जश्न देखने को मिल रहा है। विदेशी मीडिया में भी राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खूब चर्चा है।

ब्रिटिश मीडिया : ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर ने लिखा कि पीएम मोदी ने मंदिर निर्माण को एक बड़ी सफलता बताया है और कहा है कि देश मंदिर का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पीएम मोदी के एक भाषण के हवाले से रिपोर्ट में लिखा गया, 'पीएम मोदी ने इस महीने की शुरुआत में अपने एक संदेश में कहा था कि कई पीढ़ियां इस क्षण का इंतजार कर रही थीं।

रूस की सरकारी मीडिया : रूस के अखबार रशिया टुडे (आरटी) ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि अयोध्या में राम मंदिर के बनने से शहर की कायापलट हो गई है।

यूएई के अखबार

यूएई के अखबार गल्फ न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट को शीर्षक दिया है- नरेंद्र मोदी का अयोध्या के हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

अलजजीरा टीवी

कतर स्थित टीवी नेटवर्क अलजजीरा ने एक ऑपिनियन लेख में लिखा है कि 'भारत की धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई है। भारत की राजनीतिक टिप्पणीकार इंसिया वाहन्वति के लिखे लेख में कहा गया है कि धर्मनिरपेक्ष भारत के किसी प्रधानमंत्री का मंदिर का उद्घाटन करना अनुचित है।

गूगल ट्रेंड्स में सिर्फ राम ही राम

500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म होने के साथ ही अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। रामलला राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। जहां उनकी आरती की गई। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गूगल पर इतने सर्चेज हुए हैं जितने इससे पहले शायद ही कभी हुए होंगे। यह शायद पहला मौका है जब गूगल टेंड्स के सभी टॉप-10 सर्च राम मंदिर से जुड़े हैं। इससे पहले एक ही टॉपिक पर पिछले 24 घंटे में इस तरह के टेंड्रस देखने को नहीं मिले हैं।

COLLEGE OF AGRICULTURE INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA KRISHAK NAGAR RAIPUR 492012 (C.G.)

Telephone : 0771-2970217 Email -deanagriraipur@gmail.com
No. VV/Stores/2023-24/2024/7823 रायपुर दिनांक 20/01/2024

UG Admission Notice 2023-24

Online applications are invited for admission to Under Graduate programme of this Vishwavidyalaya in the Faculty of Agriculture on the basis of merit list of CUET (ICAR-UG)-2023. The application form along with all other details will be available on the web link https://igkv.ac.in from 20/01/2024. The last date of filling online application is 02/02/2024. All interested candidates are advised to visit the web link and fill the online application form within the stipulated time.

REGISTRAR
I.G. Krishi Vishwavidyalaya
RAIPUR (C.G.)

S-39431

दिल्ली-मुंबई को भी छोड़ा पीछे

अयोध्या धाम के एयरपोर्ट ने बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

अयोध्या। सोमवार को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लेकर पूरे देश की निगाहें अयोध्या पर टिकी रहीं। देश की कई जानी मानी हस्तियां इस भव्य समारोह में हिस्सा लेने अलग-अलग एयरक्राफ्ट में अयोध्या के भव्य एयरपोर्ट पर उतरीं। नए बने एयरपोर्ट ने एक नहीं दो दो रिकॉर्ड बना डाले। इस तरह का रिकॉर्ड देश के प्रमुख दिल्ली या मुंबई एयरपोर्ट भी नहीं बना पाए हैं।

पहला रिकॉर्ड

अयोध्या एयरपोर्ट के नाम पहला रिकॉर्ड यह है कि इसे बहुत कम समय में तैयार किया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन संजीव कुमार के अनुसार, अयोध्या हवाई अड्डे को 20 महीने के रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। एएआई ने 2022 के अप्रैल में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

दूसरा रिकॉर्ड

अयोध्या एयरपोर्ट के नाम दूसरा रिकॉर्ड है कि अयोध्या धाम एयरपोर्ट को तैयार होने के केवल 17 दिन के अंदर ही इसे देश के चारों कोनों से जोड़ दिया गया है। अब इस एयरपोर्ट से सीधे दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और अहमदाबाद से फ्लाइट्स उपलब्ध हैं। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 दिसंबर को हुआ था और 17 दिन में चारों शहरों के लिए फ्लाइट शुरू हो चुकी थीं। इतनी जल्दी चार शहरों के लिए फ्लाइट शुरू होना अपने आप में रिकार्ड है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जुटे कॉरपोरेट क्षेत्र के तमाम दिग्गज

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सोमवार को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कॉरपोरेट जगत ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस समारोह में मुकेश अंबानी समेत तमाम कॉरपोरेटे दिग्गज शामिल हुए और कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को इस विशेष अवसर पर छुट्टी भी दी। उद्योगपति अंबानी और उनके परिवार के साथ इस्पात दिग्गज लक्ष्मी एन मित्तल, भारती एयरटेल के प्रमुख सुनील भारती मित्तल, रिलायंस ग्रुप के प्रमुख अनिल अंबानी और आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला एवं उनकी बेटी अनन्या बिड़ला भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। अदाणी ने भारत की संस्कृति एवं साहित्य के बारे में शोध करने वाले 14 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की भी घोषणा की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया भी अयोध्या पहुंचे।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी जिला बिलासपुर (छ.ग.)

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम :- सौमित्र (संस्था द्वारा)
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक :-12/01/2024
3. संस्था :- सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर (छ.ग.)
4. रंग :- गोरा।
5. उम्र :- 03 दिन

सौमित्र

उक्त बालक दिनांक 18/01/2024 को बाल कल्याण समिति बिलासपुर के आदेश क्रमांक 1247/ बा.क.स./2023-24 बिलासपुर दिनांक 18/01/2024 से अस्थाई संरक्षण हेतु सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) में संरक्षण प्राप्त हैं। सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बिलासपुर अथवा सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
मिशन वात्सल्य (मबावि)
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

जी - 07268/1

कलेक्टर जिला-जशपुर एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

/ / अधिसूचना / /

क्रमांक /20240103120000 8/अ-82 / 2022-23 दिनांक 10/01/20224

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण बालाछापर-आरा-सकरडेगा मार्ग में शीर्ष कार्य, पहुँच मार्ग निर्माण सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है तथा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भूमि अर्जन, पुर्नवासन तथा पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

- अनुसूची -

(1) भूमि का वर्णन (क) जिला-जशपुर (ख) तहसील-जशपुर (ग) ग्राम-बोकी+बरटोली, पट्टी 03, प.ह.नं. 20 (घ) भूमि का क्षेत्रफल-2.597 हे.

खसरा नम्बर					क्षेत्रफल (हे. में)				
खसरा	रकबा	खसरा	रकबा	खसरा	रकबा	खसरा	रकबा	खसरा	रकबा
108 से	0.073	158/2 से	0.061	424 / 2 से	0.016	255 / 1 से	0.012	303 से	0.061
155 से	0.053	340 / 3 से	0.088	233/2 से	0.077	419 / 3 से	0.138	306 से	0.154
105/4ख से	0.024	226 से	0.036	235/2 से	0.186	418 से	0.142	348 से	0.049
416 से	0.024	227 से	0.089	233/3 से	0.048	279/1 से	0.166	341 से	0.032
343 से	0.069	228 से	0.235	237/1 से	0.057	280 से	0.032	405 से	0.004
156/1 से	0.061	277 से	0.142	329 से	0.004	281/1 से	0.036	419 / 1ख	0.024
156/3 से	0.005	233 / 1ख से	0.008	346 से	0.004	281/2 से	0.032	424/2 से	
156/2 से	0.038	233 / 1ग से	0.012	254/1 से	0.097	282 से	0.012	419/1घ 424/2 से	0.016
158/1 से	0.061	233/1घ	0.028	310 से	0.004	283 से	0.028		
233/15	0.043	419 / 1ग से		279/2 से	0.012	304 से	0.004		
कुल खसरा 49					कुल अर्जित रकबा 2.597 हे.				

शासकीय भूमि खसरा नंबर						क्षेत्रफल (हे. में)	
खसरा	रकबा	खसरा	रकबा	खसरा	रकबा	खसरा	रकबा
278 से	0.105	309 से	0.016	340 / 1 से	0.190	419/446 से	0.061
308 से	0.024	332 से	0.235	352 से	0.061	419/1क से	0.066
कुल खसरा 08				कुल रकबा 0.758 हे.			

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी जशपुर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं हैं।
पुनर्वास योजना का अवलोकन प्रशासक / अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के कार्यालय में किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(प्रशांत कुमार कुशवाहा)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.)

(डॉ. रवि मित्तल) कलेक्टर
जिला - जशपुर (छ. ग.) एवं पदेन उप सचिव,
छत्तीगसढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-07255/1

कार्यालय क्षेत्रीय प्रमुख
संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर
सोनाखान भवन रिंग रोड नं. 1, रविग्राम रायपुर - 492001 (छ.ग.)
टेलीफेक्स 0771-4052874 Email: rhraipur.dgm-cg@gov.in

क्र. 103 / भण्डार न.क्र.10 / 2023-24 रायपुर, दिनांक..19 जन. 2024

"निविदा सूचना"

क्षेत्रीय प्रमुख, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) की ओर से जी.एस.टी. पंजीबद्ध निर्माताओं से निम्न वर्णित मानक अनुसार PVC कोर बाक्स क्रय करने हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाओं को कार्यालय द्वारा गठित समिति के समक्ष निविदाकर्ता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जावेगा। निविदा प्रपत्र संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय सोनाखान भवन रिंग रोड नं.1, रविग्राम रायपुर से प्राप्त किया जा सकता है।

स.क.	सामग्री का नाम	कोर बाक्स विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	अमानत राशि (रू)
1.	PVC कोर बाक्स	PVC Core Box with 4 row HQ size with individual lids, locking clips and core separator PP core tray virgin (Length 1085mm, Width 380mm & Height 85mm) with lid and lock system	7,50,000/-	22,500/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रूपये 1000.00 (रूपये एक हजार मात्र)
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय :- 23.01.2024 प्रात: 10:30 बजे से 12.02.2024 अपरान्ह 02.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :- 12.02.2024 अपरान्ह 03.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि एवं समय :- 12.02.2024 अपरान्ह 04.00 बजे
निविदा अमानत राशि :- रू. 22,500/- (रू. बाईस हजार पांच सौ मात्र)

निविदाकर्ताओं को निविदा तथा उसकी अमानत राशि सिर्फ राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्रॉफ्ट के माध्यम से क्षेत्रीय प्रमुख, संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर (छ.ग.) के नाम से जो बैंक ऑफ इंडिया तेलीबांधा ब्रांच रायपुर मे देय हो, मुहरबंद लिफाफे में पृथक-पृथक प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। शर्तानुसार अमानत राशि के अभाव में "निविदा" अस्वीकार की जावेगी।

निविदा संबंधी अन्य नियम व शर्तो की जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पृथक से देखी जा सकती है।

क्षेत्रीय प्रमुख
संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म
क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.)

जी - 07281/2

बिलासपुर
मंगलवार, 23 जनवरी 2024
पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 23, अंक : 333
पृष्ठ : 10+4 = 14, मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 26.2
न्यून. 12.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ को भय और भ्रष्टाचार मुक्त करके राम राज्य लाने का काम होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। अब भाजपा का लक्ष्य देश के साथ हर राज्य में भी राम राज्य लाने का रहेगा। छत्तीसगढ़ को भय और भ्रष्टाचार मुक्त करके राम राज्य लाने की दिशा में काम किया जाएगा। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को जब तक भाजपा की सरकार रहेगी रामलला के दर्शन कराने के लिए अयोध्या भेजा जाएगा। ये बातें प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आईएनएच और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सार्थक संवाद में कहीं। प्रस्तुत है उनके साथ हुई बातचीत।

आज के दिन को किस रूप में देख रहे हैं?

आज 22 जनवरी का दिन है, यह अपने देश भारत ही नहीं विश्व के लिए भी ऐतिहासिक दिन है। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम जो करोड़ों लोगों के आदर्श हैं, उनका 500 साल बाद एक बार फिर से अयोध्या में आगमन हुआ है। आज उनकी प्राण प्रतिष्ठा की गई है। यह अवसर देश के लिए गौरवशाली है। छत्तीसगढ़ के लिए उत्साह दुगना हो जाता है, क्योंकि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है। छत्तीसगढ़ माता कौल्शया की घरती है। शिवरीनारायण माता शबरी की नगरी है। उन्होंने भगवान श्री राम को बेर खिलाने का काम किया था। भगवान श्री राम के 14 साल के वनवास का ज्यादातर समय छत्तीसगढ़ में ही बिता है। आज हम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा करते हुए यहां पर शिवरीनारायण में लाइव देखा है।

जब तक हमारी सरकार रहेगी, तब तक चलेगी रामलला दर्शन की योजना

भगवान श्री राम के तो छत्तीसगढ़ में और कई स्थान हैं, लेकिन आपने शिवरीनारायण को ही अयोध्या का लाइव देखने के लिए क्यों चुना?

शिवरीनारायण का चयन इसलिए किया क्योंकि मैं स्वयं आदिवासी समाज से हूं और माता शबरी भी आदिवासी समाज की थीं। भगवान श्री राम के वनवास के समय उनके साथ ज्यादातर वनवासी ही उनके साथ सेना के रूप में साथ थे। ऐसे में मेरी परम इच्छा थी ऐसे अवसर पर हम माता शबरी के धाम शिवरीनारायण में रहेंगे, इसलिए आज हम यहां हैं।

inh न्यूज विशेष

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

आप उस आंदोलन में सबसे ज्यादा प्रभावित किनके भाषणों से हुए, क्या आपने भी नारे लगाए?

हमने भी नारे लगाए थे कसम राम की खाते हैं मंदिर वहीं बनाएंगे। स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव मेरे राजनीति गुरु रहे हैं। उनसे सब प्रभावित रहते थे। उनके बारे में कहा जाता था, राजा नहीं फकीर है, छत्तीसगढ़ का वीर है।

राम जन्म भूमि आंदोलन का हिस्सा किसकी प्रेरणा से बने?

मैं उस समय छोटा था, हमारा पूरा परिवार जनसंघी रहा है। मेरे दादा जी जनसंघी थे। मेरे बड़े पिताजी जनसंघ के विधायक थे। ऐसे में मेरा नाता भी राम जी से जुड़ गया और मैं भी राम जन्म भूमि आंदोलन का हिस्सा बन गया।

छत्तीसगढ़ में भी राम राज्य की कोई परिकल्पना है क्या, है तो क्या है?

राम राज्य छत्तीसगढ़ में भी आएगा। भाजपा की परिकल्पना है राज्यों के साथ देश में भी राम राज्य आए। उस दिशा में हम काम भी करेंगे। छत्तीसगढ़ भय मुक्त हो, भ्रष्टाचार मुक्त हो उस दिशा में काम करेंगे। अंतिम व्यक्ति तक विकास और मदद पहुंचे उस दिशा में काम होगा। हमारे प्रधानमंत्री का नारा भी है, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। इस पर काम किया जाएगा। ⏭ शेष पेज 3 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एक करोड़ घरों पर 'रूफटॉप' सोलर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' आरंभ करेगी जिसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौटने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घरों की छतों पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

आधी छुट्टी के बाद भी स्वास्थ्य केंद्रों में इमरजेंसी में होती रही डिलीवरी

प्राण-प्रतिष्ठा के दिन गूंजी किलकारी किसी ने राम रखा नाम, किसी ने सिया..

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दिवस पर कई घरों में बच्चों की किलकारी गूंजी। राम महोत्सव के दिन मिली दोहरी खुशी से अभिभूत ज्यादातर माता-पिता ने बच्चों का नाम सीता, राम पर करने का फैसला लिया है। कई परिवार भक्ति भावना से प्रेरित हैं, मगर बच्चों के नामकरण के लिए पंडितों की सलाह लेने का इंतजार कर रहे हैं।

अलग खबर

रविवार अवकाश के बाद प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन शासकीय अस्पतालों में छुट्टी थी। स्वास्थ्य केंद्रों में आपातकाल और प्रसव के मामलों को देखते हुए इमरजेंसी व्यवस्था की गई थी। रविवार की रात से लेकर सोमवार को दिनभर स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव पीड़ा के साथ महिलाएं पहुंचती रहीं और चिकित्सकीय स्टाफ उनकी डिलीवरी कराता रहा है। प्रसव की असहनीय पीड़ा के ⏭ शेष पेज 3 पर

अष्टविनायक में जन्मी बिटिया, नाम रखा सिया

विधानसभा रोड स्थित अष्टविनायक हास्पिटल में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अजब संयोग हुआ। मोवा की एक महिला प्रेग्नेंट थी। उसका इलाज अष्टविनायक हास्पिटल की डायरेक्टर और प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अर्चना रंजन कर रही थीं। वैसे उसकी डिलीवरी डेट फरवरी में संभावित थी। लेकिन आज के ही दिन उसे सुबह अचानक तेज दर्द शुरू हुआ। उसकी डिलीवरी की गई। महिला ने बच्ची को जन्म दिया। प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अर्चना रंजन ने बताया कि बच्ची के मां बाप बच्ची को देख बहुत प्रसन्न हुए। आज शुभ अवसर भी था, जब पूरा देश श्रीराम के नाम का स्मरण कर रहा है। आज के शुभ संयोग के दिन मां बाप ने बच्ची का नाम सिया रखने का फैसला ⏭ शेष पेज 3 पर

बेटी का नाम जानकी

तिल्दा नेवरा में रहने वाले तोषण कुमार और सानिया सोनी के घर सोमवार की शाम बेटी का जन्म हुआ। तिल्दा स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित प्रसव के बाद हरिभूमि से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि इस पावन दिवस पर उनके घर बेटी आई है। उसका नाम वे जानकी रखने की सोच रहे हैं। इसके लिए घरवालों से भी चर्चा करेंगे।

बलराम रखेंगे नाम

ग्राम मुर्रा में रहने वाले लीलाधर धीवर ने बताया कि वह मजदूरी का काम करता है। बंगोली स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने पत्नी मंजू को आज डिलीवरी की तारीख दी थी। प्राण-प्रतिष्ठा का पहले से पता होने के कारण बेटा होने पर उसने पहले ही बलराम नाम सोच रखा था। आज सुबह 11.20 बजे उनके घर बेटे के रूप में भगवान ने जन्म लिया है, जिसका नाम बलराम तय है।

राम से मिलता नाम

आमासिवनी स्वास्थ्य केंद्र में रोहित और खुशी नागरहा के घर बेटे का जन्म हुआ। शाम पौने चार बजे हुई डिलीवरी के बाद माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं है। अस्पताल के चिकित्सकीय स्टाफ ने बताया कि रोहित बेटे का नाम भगवान राम से मिलता-जुलता रखना चाहते हैं, इसके लिए उन्होंने पंडितों से चर्चा करने की बात कही है।

जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में 77 डिलीवरी

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि अवकाश को देखते हुए सभी स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए थे। सोमवार को आंबेडकर अस्पताल में 19, जिला अस्पताल में 18 साथ ही 18 सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 40 डिलीवरी की गई। इसमें 51 नार्मल तथा 26 सीजर प्रक्रिया पूरी की गई। प्रसव की इस प्रक्रिया में 42 बेटे और 35 बेटियों ने जन्म लिया।

देशभर में दिवाली जैसा जश्न

पीएम ने अपने आवास पर जलाई 'राम ज्योति'

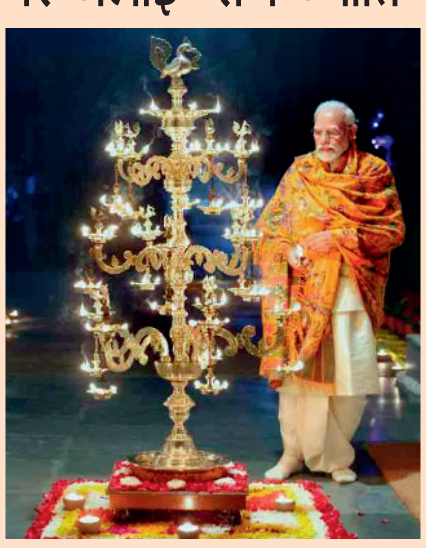

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को सात, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर राम ज्योति जलाई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, राम ज्योति। उन्होंने कहा, आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं।

घटना जीआरपी चौकी क्षेत्र की, बाइक से युवक घर जा रहा था

चाइनीज मांझे ने फिर ली एक युवक की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पतंग उड़ाने के दौरान चाइनीज मांझे से गला कटने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी लगने पर मौके पर चरोदा जीआरपी पहुंची। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां युवक की मौत हो गई। जीआरपी चरोदा प्रभारी गोपी सिंह पैकरा ने बताया कि ग्राम बेदरागोडी थाना गेंदातोली जिला राजनंदगांव निवासी अजय कुमार टंडेकर 18 वर्ष अपने ⏭ शेष पेज 3 पर

- देवबलौदा जाने वाली सड़क पर हुआ हादसा

छत्तीसगढ़ का पहला मामला

चाइनीज मांझे से गला कटने की घटना प्रदेश का पहला मामला है। जहां अजय नामक युवक के गले में मांझा फंसने से गला कट गया और अधिक खून बह जाने से उसकी अस्पताल में मौत हो गई। शव को पीएम के लिए मरचूरी में रखवा दिया गया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच में जुटी हुई है।

ऑनलाइन से अब घर-घर पहुंच रहा चाइनीज मांझा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चाइनीज मांझा का कहर भोपाल सहित देश के और कई शहरों में देखने के बाद छत्तीसगढ़ में भी सामने आने लगा है। इसी कड़ी में भिलाई, चरोदा के पास चाइनीज ⏭ शेष पेज 3 पर

हरिभूमि तत्काल

पतंग कारोबारियों ने कहा- हम नहीं रखते

बूढ़ापारा तथा सदर बाजार के तीन अलग-अलग पतंग कारोबारियों से हरिभूमि की टीम ने चाइनीज मांझे को लेकर सवाल किया गया, तो उन लोगों का कहना था कि वे ⏭ शेष पेज 3 पर

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम में हाई वोल्टेज ड्रामा

मंदिर में प्रवेश नहीं मिला, धरने पर बैठे राहुल!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी पूर्वोत्तर के राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। कुछ जगहों पर कथित तौर पर कांग्रेस नेताओं के ऊपर हमले की भी खबर सामने आई है। वहीं, सोमवार को भी राहुल गांधी के एक मंदिर में प्रवेश करने को लेकर काफी देर तक हंगामा होता रहा है। मंदिर में नहीं जाने से नाराज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी धरने पर बैठ गए हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सरकार पर भी कई सारे सवालिया निशान खड़े किए हैं। बता दें कि असम के नगांव जिले में स्थित वैष्णव संत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जाने के लिए राहुल गांधी वहां पहुंचे हुए थे, लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि प्राधिकारी उन्हें नगांव स्थित श्री श्री शंकरदेव मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी ने असम के नगांव स्थित मंदिर में जाने से रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्राधिकारियों से पूछा कि क्या अब यह प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा? हम कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते, ⏭ शेष पेज 3 पर

रघुपति राघव राजा राम गूंजा

महिला कांग्रेस के नेताओं ने अनुमति न दिए जाने पर अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए धरना पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के साथ बैठे लोग जय श्री राम के नारे लगाने लगे। धरना स्थल पर राम भजन हुए और कांग्रेसियों ने रघुपति राघव राजा राम भी गाया।

राहुल गांधी ने उठाए सवाल

असम के नगांव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को इस बात पर सवाल उठाया कि कानून-व्यवस्था संकट के दौरान सभी लोग वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जा सकते हैं, लेकिन केवल 'वह नहीं जा सकते। गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि वह शंकरदेव के दर्शन में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा हम लोग, लोगों को एक साथ लाने विश्वास करते हैं, नफरत फैलाने में नहीं। उन्होंने कहा, वह (शंकरदेव) हमारे लिए एक गुरु की तरह हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

22- JAN- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 1/22/2024 10:10 PM Page 1

चिंतन

भारतीय सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल

आज 22 जनवरी सोमवार को भारत का करीब 500 वर्ष का सपना पूरा हुआ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। अब रामलला एक दिव्य मंदिर में विराजेंगे। वास्तुकला की पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर, लंबाई में 380 फुट (पूर्व-पश्चिम), चौड़ाई में 250 फुट और ऊंचाई में 161 फुट आकार का है। यह 392 स्तंभों पर टिका है और इसमें 44 दरवाजे हैं। 22 जनवरी की तारीख एक नए कालचक्र का उद्गम है। यह क्षण पवित्रतम है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का राजनीतिक लाभ लेने की जो भी कोशिश हो, लेकिन सबसे अधिक इसका सांस्कृतिक महत्व ही है। भारतीय समावेशी संस्कृति के प्रतीक पुरुष श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर में विराजना सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल है। आज समूचा देश राममय है। अमेरिका, कनाडा, रूस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, ब्रिटेन, यूएई आदि समेत विश्वभर में बसे हिंदुओं में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुशी है। पाकिस्तान और कतर जैसे देशों के मीडिया में जरूर भारत को लेकर नकारात्मक रुख हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि भारत के संविधान में ही शिव, राम, कृष्ण, बुद्ध अंकित हैं। पाक ने तो खुद को इस्लामिक राष्ट्र ही बना लिया है, तो वह किस मुंह से भारत को धर्मनिरपेक्षता की नसीहत दे रहा है? खैर, आज राम के सबको साथ लेकर चलने के संदेश को आत्मसात करने का दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक नए युग के आगमन का प्रतीक करार दिया और लोगों से अगले 1,000 वर्षों के मजबूत भारत की नींव बनाने का आह्वान किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' के उद्घोष से समूची अयोध्या गुंजायमान हो उठी। अयोध्या में रामलला की स्थापना जीत का नहीं, राम की विनम्रता व विनयशीलता की प्रतिस्थापना है। यह राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। यह केवल एक मंदिर भर नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आध्यात्मिक चेतना के उत्थान का प्रतीक स्थल है। आज जिस तरह समूचे देश में राम के प्रति आस्था का सैलाब उमड़ा, यह प्रमाण है कि भारत के जनमानस में प्राण प्रण से राम स्थापित हैं। भारत की सांस्कृतिक पहचान राम हैं, जो समूचे राष्ट्र को जोड़कर रखते हैं। भगवान राम देश के संविधान की पहली प्रति में निवास करते थे। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। भारत की न्यायपालिका ने न्याय की लाज रखी। राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज देश को सदियों के राम मंदिर को लेकर धैर्य की धरोहर मिली है। राम मंदिर भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राष्ट्र चेतना का मंदिर है। अयोध्या में केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है, बल्कि यह राम के रूप में भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है व यह मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। जो लोग आमंत्रण ठुकराकर अपनी राजनीति के चलते अयोध्या नहीं गए, उन्हें राम की विनयशीलता से सीखना चाहिए, उन्हें समझना चाहिए कि राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम आग नहीं ऊर्जा हैं, आज समूचा राष्ट्र राम की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक ऊर्जा से ऊर्जामय है। हम अतीत की कड़वाहट से बाहर निकलें और एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए आगे बढ़ें।

प्राण प्रतिष्ठा
अवधेश कुमार

बदले भारत का प्रतीक बनी अयोध्या

मैं पिछले कई दिनों से अयोध्या में हूं। हमारे देश के उन बुद्धिजीवियों और नेताओं को, जो समय की धारा को नहीं पहचानते, अयोध्या के वातावरण का अनुमान भी नहीं होगा। आप कल्पना करिए कि कैसा माहौल है? पूरे अयोध्या जिला को पुलिस ने सील कर दिया। जिन्हें निमंत्रण है, जिनको पास मिला है, वही गाड़ियां 21- 22 - 23 जनवरी को अयोध्या आ सकी है । बावजूद हजारों की संख्या में सभी उम्र के लोग अयोध्या पहुंचे हुए हैं। मुख्य सड़कें लोगों से भरी हुई रही। लोग पैदल चल कर भी अयोध्या पहुंचे हैं। यहां भारी सुरक्षा सख्ती है। लोगों को असुविधाएं हैं। बावजूद मैंने जितने भी सामान्य लोगों से बात की किसी ने भी इस पर प्रश्न नहीं उठाया। पुलिस ने लोगों को रोका हुआ है, लोग सड़कों पर खड़े हैं लेकिन ज्यादातर के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव है। ऐसा वातावरण इसके पहले शायद ही किसी ने देखा होगा। आम तौर पर जब सुरक्षा सख्त होती है तो लोगों की आवाज उसके विरुद्ध निकलती है लेकिन अब किसी से पूछिए तो कहेंगे कि हमें कोई परेशानी नहीं है। दर्शन आज नहीं तो कल हो जाएगा। इसका अर्थ क्या है?

भारत के सामूहिक मानस का यही बदलाव आज समझने की आवश्यकता है। अगर आप थोड़ी सूक्ष्मता से विचार करेंगे तो ऐसा लगेगा कि संपूर्ण अयोध्या भारतमय है राममय है और संपूर्ण भारत इस समय अयोध्यामय और राममय हो गया है। अयोध्या के भारतमय, राममय और भारत के राममय में होने के गहरे निहितार्थों को भी समझना आवश्यक है। किसी भी देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की धाराएं इसी तरह प्रभावी होती हैं। राम मंदिर का आंदोलन किसी सामान्य मंदिर निर्माण का आंदोलन नहीं था। यह यह ध्वस्त की गई मंदिर के पुनर्निर्माण के द्वारा भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ दिखाई पड़ रहा है कि स्वतः स्फूर्त भाव से उत्साह और उमंग लिए हुए लोगों का अयोध्या आगमन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के धीरे-धीरे सशक्त होने का प्रमाण है। या इस बात को प्रमाणित करता है कि जिन लोगों ने अयोध्या में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के विरुद्ध तथा राम मंदिर के पुनर्निर्माण के आंदोलन की कल्पना की वे वाकई दूरदर्शी थे। अयोध्या का चित्र बता रहा है कि भारत के आम लोगों ने अपनी भावनाओं और व्यवहार से उन सबको सच्ची श्रद्धांजलि देने की शुरुआत कर दी है।

प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। वास्तव में यह भारत में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति की लहर जैसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत में तमिलनाडु के उन मंदिरों-धर्म स्थानों का दौरा किया जहां वन यात्रा में रामचंद्र जी गए थे या उनसे जुड़े या उनकी भक्ति से जुड़े हुए हैं। तमिलनाडु से सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध तथा उत्तर दक्षिण को बांटने के स्वर के मध्य तथा प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व इस यात्रा के प्रभावों का आकलन करने में थोड़ा समय लगेगा। प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा से उत्तर

और दक्षिण का भेद खड़ा करने की चेष्टा का सकारात्मक सांस्कृतिक आध्यात्मिक प्रत्युत्तर मिला है। आम लोगों के लिए इसके कोई मायने नहीं है कि किसे निमंत्रण मिला, किसे नहीं मिला, कौन आए कौन नहीं आए। अयोध्या पहुंचकर लगेगा ही नहीं कि जिन लोगों ने प्रश्न उठाए या विरोध किया उनका कोई संज्ञान भी लेने को तैयार है।

अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले बता रहे हैं कि अगर उस समय सड़कें ऐसी होतीं, खुला वातावरण होता तो 30 अक्टूबर, 1989 और 2 नवंबर, 1989 के गोली चालन में उतनी संख्या में कारसेवक नहीं मारे जाते, लेकिन न भागने का स्थान और न बचने का। अयोध्या आंदोलन के प्रभावी होने और भारी संख्या में लोगों के लगातार पहुंचते रहने के बावजूद केंद्र और राज्य की सरकारों ने कभी भी यहां सड़कों और आम जनता की सुविधाओं के निर्माण की दृष्टि से काम किया ही नहीं। इस नाते भी यह बदली हुआ अयोध्या है। आज यह इतनी अंतर्शक्ति पा गया है कि संपूर्ण भारत की मानसिक चेतना को बदलने का आधार साबित हो सकता है।

जब आपके लक्ष्य छोटे हो तो फिर छोटे स्तर से विचार करते हैं किंतु लक्ष्य बड़े हों तो आपके विचार की परिधि भी व्यापक हो जाती है। अगर भारत के लंबे भविष्य की दृष्टि से काम करना हो तो ऐसे अवसरों पर कोई विरोधी और दुश्मन नहीं हो सकता। इसीलिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विरोधियों को भी आमंत्रित किया गया। यहां तक कि मुकदमे के विरोधी पक्षकारों को भी आमंत्रित किया गया। जैसा पूरे देश को पता है विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन समस्या यह थी कि संपूर्ण अयोध्या आंदोलन के दौरान जिन दलों और नेताओं ने इसका विरोध किया, उनको प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने के लिए कोई न कोई तार्किक आधार चाहिए था। वह मिलना संभव नहीं था। अयोध्या में आम आदमी की भाषा यही है कि विरोधी किस मुंह से प्राण प्रतिष्ठा में आते। अपने दुर्भाग्य से भाजपा और मोदी विरोधी राजनीतिक पार्टियां, बुद्धिजीवी और मीडिया के भी कुछ पुरोधा श्रीराम मंदिर से पैदा हुए भारत के सकारात्मक बदलावों को अभी भी समझने की कोशिश नहीं कर रहे। भारत का मूल धर्म व अध्यात्म रहा है। हमारे प्राचीन मनीषियों ने इसे पहचाना था। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। वास्तव में धर्म भारत के डीएनए में है । जो आपका मूल संस्कार होता है, उसे जागृत कर दिया जाए तो फिर वह उच्चता को प्राप्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों - समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। चाहे वह सोमनाथ का पुनर्निर्माण हो, अयोध्या आंदोलन या लंबे समय से चल रहे दूसरे मंदिरों के पुनरुद्धार का आंदोलन या फिर हिंदुत्व और हिंदू धर्म की नए सिरे से प्राचीन विरासत के आधार पर व्याख्या करने, इतिहास का पुनर्लेखन, राष्ट्र की परिभाषा अपनी सही सोच से निर्धारित करने, सब इसी दिशा के कदम हैं। स्वाभाविक ही इन सबका प्रभाव हुआ है और यह इस समय समग्र रूप में अयोध्या में दिख रहा है। यहां सामान्य लोग कहते हुए मिल जाएंगे कि हमको तो इतिहास गलत बताया गया। कल्पना करिए जिस व्यक्ति ने दसवीं तक की भी शिक्षा प्राप्त नहीं की वह इतिहास और संस्कृति की बात कर रहा है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह उसकी संस्कारगत चेतना और जागृति सुखद और अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों-समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह की जागृति सुखद व अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

जयंती विशेष
डॉ. विनोद यादव

महानायक सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रबोध मूल्यों से सीखें युवा

आज पराक्रम दिवस है, यानी स्वाधीनता आंदोलन के एक ऐसे महानायक का जन्मदिवस जो शौर्य, साहस और पुरुषार्थ के प्रणेता थे। आज पूरा देश महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मना रहा है। नेताजी की जयंती के मौके पर 5 वर्षों के अंतराल के बाद राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले में 'जयहिंद- लाइट एंड साउंड शो' शुरू हो रहा है। 1 घंटे के इस शो के अंतर्गत खासतौर पर नेताजी सुभाष चंद्र के अदम्य साहस की शौर्य गाथा और आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों पर चले मुकदमों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

आजादी के आंदोलन के संदर्भ में लालकिला ऐसा ऐतिहासिक स्मारक है, जो सन सत्तावन के क्रांतिकारियों से लेकर आजाद हिंद फौज के सैनिक कमांडरों के अदम्य साहस और अपूर्व शौर्य की गवाही देता है। फर्क सिर्फ इतना है कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिवीरों ने अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए जब मेरठ छावनी से 'दिल्ली चलो' के उद्घोष के साथ शंखनाद किया तो लालकिले पहुंचकर भारत का झंडा फहराया। किंतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने आजाद हिंद फौज के सुप्रीम कमांडर की हैसियत से फौज के सैनिकों से 'दिल्ली चलो' का आवाह्न करते हुए उद्घोष किया-'चलो दिल्ली, जहां मीनार कुत्बी है... निशान-ए-हिंद (भारत के राष्ट्रीय ध्वज) को हम उस पर लहराएं/ चलो दिल्ली जवानों, हिंद को आजाद करवाएं/ यानी आजाद हिंद फौज के सैनिक दिल्ली को फतह करके कुतुब मीनार पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहते थे। इतिहास गवाह है कि नेताजी का स्वाभिमान दुनिया में सबसे ऊंचा था, इसलिए वो भारत का झंडा सबसे ऊंचे स्मारक पर फहराना चाहते थे। उन दिनों राजधानी दिल्ली में सबसे ऊंची ऐतिहासिक इमारत कुतुब मीनार ही थी,

लेकिन आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों का वह सपना पूरा न हो सका। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार ने आजाद हिंद फौज के सैनिकों के इस सुनहरी सपने का पटाक्षेप कर दिया। बहरहाल, कुतब मीनार के साथ-साथ लाल किले का संबंध भी आजाद हिंद फौज से जुड़ गया, जब फौज के मेजर जनरल शाहनवाज खान, कर्नल प्रेम सहगल और कर्नल गुरुबख्श सिंह ढिल्लो पर अंग्रेजों ने देशद्रोह का अभियोग लगाकर लालकिले को सैनिक अदालत के तौर पर चिह्नित किया। नेताजी सुभाष चंद्र के इन तीन फौजी अफसरों से संबंधित यह ऐतिहासिक मुकदमा हिंदुस्तान के इतिहास में 'लालकिला ट्रायल' के नाम से दर्ज है। आईएनए के इन अफसरों समेत तमाम सैनिकों के समर्थन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नामी-गिरामी नेता और जाने-माने वकील तेज बहादुर सप्रू, भूलाभाई देसाई, पं. जवाहरलाल नेहरू और कैलाश नाथ काटजू मुकादमा लड़ने के लिए आगे आए। इस दौरान पूरे मुल्क में देशभक्ति का बेमिसाल माहौल निर्मित हो गया, जवाहरलाल नेहरू पहली बार एडवोकेट की यूनिफॉर्म पहनकर अदालत में उपस्थित हुए। भूलाभाई देसाई व जवाहरलाल की सशक्त शानदार दलीलों ने मुकदमे को आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों के हक में कर दिया। आजाद हिंद फौज के समर्थन में पूरा देश एकजुट हो गया, देश के कोने-कोने में अंग्रेजी शासन के खिलाफ धरने-प्रदर्शन होने लगे। आखिरकार तीनों भारतीय वकीलों की जोरदार दलीलों और आईएनए के सपोर्ट में उमड़े तमाम भारतवासियों की एकजुटता की वजह से अंग्रेजों को तीनों अफसरों को रिहा करना पड़ा। वस्तुतः नेताजी सुभाष और उनकी आजाद हिंद फौज की गाथा, औपनिवेशिक शासन और साम्राज्यवाद के शोषण से त्रस्त भारतवासियों के नायक के जीवन-पर्यंत संघर्ष व जीवटता की ऐसी अमर कहानी है, जो हरेक भारतवासी की रगों में राष्ट्रवाद का संचार करती है। तमाम विधाओं में प्रवीणता व कुशल नेतृत्व क्षमता ही उन्हें आर्यावर्त भरतखण्ड से निकालकर जापान, जर्मनी, रूस और इटली जैसे देशों में भी लोकप्रिय बनाती है। उन्होंने अपनी सोच में, अपने चिंतन में बस एक विचार को दृढ़ बनाए रखा कि मनुष्य के समग्र विकास के लिए बौद्धिक कौशल और नैतिक चेतना दोनों जरूरी हैं। नेताजी का व्यक्तित्व व कृतित्व हरेक आयुवर्ग के भारतीयों के लिए आदर्श की राह है। नेताजी ने कहा था- 'हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी भारतभूमि की स्वतंत्रता का मूल्य अपने रक्त से चुकाएं।'

(लेखक शिक्षाविद एवम इतिहासकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकर सहज स्वरूप सम्हारा

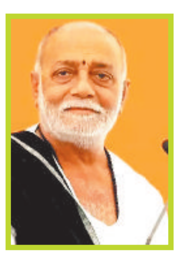

संकलित
दर्शन

श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। *-मोरारी बापू*

कोयल-अपनी वाणी को मधुर बना लेना

संकलित
प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर अपराध रोकने के लिए उठाएं सख्त कदम

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने सभी छोटे-बड़े प्राइवेट बैंकों को यह सुझाव दिया है कि सभी साइबर सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाएं। इसके लिए सभी बैंकों को 24 गुणा 7 हेल्पलाइन अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवानी चाहिए और सभी फोन नंबर जो हेल्पलाइन के लिए उपलब्ध करवाए जाएं, वो भी हर वक्त दुरुस्त रहें और फ्री रहें। एसबीआई क्रेडिट कार्ड ने अपना हेल्पलाइन नंबर मुफ्त सुविधा से वंचित रखा है। यहां कॉल करने के लिए एक मिनट के लिए लगभग 2 रुपए पड़ते हैं। हमारा देश डिजिटल लेन-देन की ओर कदम तो बढ़ा चुका है, लेकिन कुछ साइबर चोर इसकी राह में ठगी करके बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश में दिन-प्रतिदिन साइबर ठगी की खबरें पढ़ने और सुनने को मिल रही हैं। *-पीयूष गोयल, धमतरी*

करंट अफेयर

दुनियाभर में मना रामलला का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव...

अयोध्या में सोमवार को हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए राम भक्तों और भारतीय समुदाय के सदस्य न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्कवायर सहित दुनियाभर में विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए, प्रार्थना सभाएं कीं, कार रैली निकाली और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये।

अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कवायर पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य एकत्र हुए। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। लोगों को पारंपरिक पोशाक पहने, नृत्य करते, भजन और अन्य गीत गाते देखा गया। वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेम्पल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय के सदस्य भी इस समारोह में शामिल हुए। रविवार को हुए कार्यक्रम में 2,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए। अमेरिकी शेयर बाजार 'नैस्डैक' की स्क्रीन पर भी राम मंदिर की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के तुरंत बाद वर्ल्ड हिंदू काउंसिल ऑफ अमेरिका और विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने दोनों देशों में एक हजार से अधिक मंदिरों के दर्शन के लिए 'राम मंदिर यात्रा' की घोषणा की।

ऑफ बीट

मृत्युलेखों में पालतू जानवरों का उल्लेख अधिक हो रहा

जानवर हमारे जीवन में कई अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। कुछ लोग उन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं, जबकि अन्य दैनिक सैर की याद दिलाने के रूप में उनकी सराहना करते हैं। सेना में काम करने वाले कुत्तों और भावनात्मक सहयोग देने वाले जानवरों से लेकर दरवाजे पर हमारा स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे पालतू जानवरों तक, ये जानवर हमारे जीवन में खुशी, आराम और साथ ला सकते हैं। तो स्वाभाविक रूप से, ये रिश्ते जीवन भर जारी रहेंगे - या कम से कम मृत्यु के बाद भी स्मरण किए जाएंगे। टोरंटो स्टार ने हाल ही में ओकविले, ओंटारियो के पालतू जानवरों के कब्रिस्तान से 600 से अधिक जानवरों को निकालने और दूसरी जगह ले जाने के प्रयासों पर रिपोर्ट दी। जैसे यह कहानी सामने आई और जैसा कि कई अन्य लोग ध्यान देंगे, जानवरों को दफनाना, उनपर लेप लगाना या अंतिम संस्कार करना शायद ही कोई नई प्रथा है। ये अंत्येष्टि प्रथाएं एक पालतू जानवर और उन सभी चीजों का सम्मान करने के तरीके प्रदान करती हैं जो हमारे लिए मायने रखती हैं। लेकिन तब क्या जब मालिक पहले मर जाए? जैसा कि पता चला है, अब पालतू जानवरों को रखने वाले ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जिनके मरने के बाद उनके मृत्युलेखों में उनके जानवरों का उल्लेख भी किया जाता है।

ट्रेंड

अपना सोलर सिस्टम

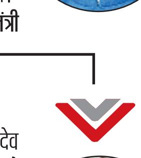

सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुझे रोका गया

भारत की सांस्कृतिक विविधता को शंकर देव जी ने भक्ति के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोया, लेकिन आज मुझे उन्हीं के स्थान पर माथा टेकने से रोका गया। मैंने मंदिर के बाहर से ही भगवान को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया।
-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

जीने के लिए समर्पित

आज भी मंडे मोटिवेशन भगवान राम हैं। वह एक ऐसी शख्सियत हैं जो धर्म से परे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी की आस्था क्या है, हम सभी ऐसी अवधारणा के प्रति आकर्षित हैं जो सम्मान और मजबूत मूल्यों के साथ जीने के लिए समर्पित है। **-आनंद महेंद्रा, उद्योगपति**

अपने अपने राम

बस क्या कहूं। जो भी बोलना-कहना सीखा था वो सब आज मौन और आंसुओं में बदल गया। राघवेंद्र सरकार राम के दर्शन करके जब अयोध्या के राम-मार्ग पर निकला तो कुमार भैया और अपने अपने राम का जयघोष कर-करके अभिवादन किया।
-कुमार विश्वास, हिन्दी कवि

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोनः 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेलः haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइटः www.haribhoomi.com

Divisa

आँखों को दीजिए कुदरती आई मंत्रा

असर पहले दिन से

100% Ayurvedic

Helps in :
• Eye Strain • Eye Dryness
• Eye Tiredness • Eye Freshness
• Eye Cleanliness

Clinically Tested* *For efficacy and safety.

Dr. Juneja's EYE Mantra®

प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

खबर संक्षेप

गणतंत्र दिवस, साय जगदलपुर में फहराएंगे झंडा

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बस्तर (जगदलपुर) में ध्वजारोहण करेंगे। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के सभी जिलों में ध्वजारोहण के लिए मुख्य अतिथियों के नाम तय किए हैं। सभी मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन ध्वज फहराने के बाद करेंगे।

कौन कहां करेगा ध्वजारोहण- राजनांदगांव में डॉ.रमन सिंह विधानसभाध्यक्ष, बिलासपुर अरण साव उपमुख्यमंत्री, दुर्ग विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री, महासमुंद बृजमोहन अग्रवाल मंत्री, बलरामपुर रामानुजगंज रामविचार नेताम मंत्री, बेमेतरा दयालदास बघेल मंत्री, नारायणपुर केदार कश्यप मंत्री, कोरबा लखनलाल देवांगन मंत्री, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री, रायगढ़ ओपी चौधरी मंत्री, सरगुजा (अंबिकापुर) लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री, बलौदाबाजार भाटापार टंकराम वर्मा मंत्री, सक्ती गुहाराम अजगल्ले सासंद, बालोद विजय बघेल सांसद, कांकेर मोहन मंडावी सासंद, सारंगढ़ बिलाईगढ़ सुनील सोनी, खैरागढ़ छुईखदान गंडई संतोष पांडेय सांसद, गरियाबंद चुन्नीलाल साहू सासंद, मुंगेली धरमलाल कौशिक विधायक, जाजंगीर चांपा अमर अग्रवाल विधायक, धमतरी अजय चंद्राकर विधायक, सूरजपुर रेणुका सिंह विधायक,कोरिया भैयालाल राजवाड़े विधायक, जशपुर गोमती साय विधायक, कोंडागांव लता उसेंडी विधायक, बीजापुर विक्रम उसेंडी विधायक, कबीरधाम भावना बोहरा विधायक, सुकमा नीलकंठ टेकाम विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी विधायक, गौरले पेंड्रा मरवाही प्रणव कुमार मरपची विधायक, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी आशाराम नेताम विधायक।

रविवि का 27 वां दीक्षांत 20 फरवरी को

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि का 27वां दीक्षांत 20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। रविवि द्वारा इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। हालांकि अब तक दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों के नाम रविवि ने जारी नहीं किए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीक्षांत पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में संभावित है। इसके अलावा पूर्व वर्षों की भांति भारतीय परिधान में ही दीक्षांत आयोजित किया जाएगा। रविवि स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं की मेरिट लिस्ट पहले ही जारी कर चुका है। दीक्षांत में शामिल होने के इच्छुक छात्र 10 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे। पीएचडी और डीलिट की उपाधि भी इस दौरान वितरित की जाएगी।

23 करोड़ 22 लाख की गोबर खरीदी, वर्मी-सुपर कम्पोस्ट बनाकर 24 करोड़ का बेचा

साढ़े तीन करोड़ की खाद अब भी गोठानों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गोधन न्याय योजना के तहत रायपुर जिले में 2 रुपए की दर से अब तक कुल 1161337 क्विंटल गोबर की खरीदी गई है। इस गोबर के बदले 23 करोड़ 22 लाख 67 हजार का भुगतान किया गया है, जबकि खरीदे गए गोबर से गोठानों में तैयार की गई 271828 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद को बेचा जा चुका है।

खाद बिक्री से गोठान समितियों को 24 करोड़ 51 लाख रुपए की आय हुई है, जबकि गोठानों में अभी भी 45646 क्विंटल खाद पड़ी है, जिसकी कीमत लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए है। बचा हुआ गोबर बेचे जाने के बाद आय का आंकड़ा बढ़कर 27 करोड़ 51 लाख पहुंच जाएगा। इस तरह समितियों को गोबर के खाद से चार करोड़ से अधिक का लाभ होगा। हालांकि लाभांश राशि में खाद तैयार करने में खर्च की जाने वाली राशि शामिल नहीं है। इस राशि को जोड़ेंगे तो लाभांश की राशि शून्य भी हो सकती है, क्योंकि गोबर से खाद बनाने में महिला समूह की महिलाओं का मेहनताना के साथ केचुआ, बिजली-पानी आदि का खर्च भी आता है, जिसका भुगतान गौठान समितियों को करना होता है।

सुपर कम्पोस्ट प्लस खाद के आंकड़ा की जानकारी मिलना बाकी

गोठानों में गोबर से तीन प्रकार का खाद तैयार किया जाता है। इसमें वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद बनाने एवं बेचे जाने का आकड़ा विभागीय अधिकारियों से मिला है, लेकिन सुपर कम्पोस्ट प्लस खाद का आकड़ा की जानकारी नहीं मिल पाई है।

इस कीमत पर किसानों को मिलती है खाद

गोबर खरीदी कर गोठान समितियां वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट खाद तैयार करती है। वर्मी कम्पोस्ट को 10 रुपए किलो एवं सुपर कम्पोस्ट को 6 रुपए किलो के भाव से बेचा जाता है।

24 करोड़ 51 लाख की बिक चुकी है खाद

रायपुर जिले में 325 गोठान है। इनमें तैयार किया गया वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट का 271828 क्विंटल खाद बिक चुकी है, जिसका भुगतान भी कर दिया है। 45646 क्विंटल खाद गोठान समितियों में उपलब्ध है।
- **उमाशंकर वर्मा,** ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी

करीब 14 माह प्रशासन स्तर पर गोबर खरीदी कर गोठानों को निःशुल्क कराया गया था उपलब्ध

कांग्रेस शासन ने जुलाई 2020 में गोधन न्याय योजना की शुरुआत की गई थी। शुरुआती साल में सभी जिलों में प्रशासन स्तर पर कृषि विभाग के माध्यम से किसानों से गोबर की खरीदी की गई थी, जिसे गोठान समितियों को वर्मी व सुपर कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद धीरे-धीरे गोबर की खरीदी बंद कर इसकी जिम्मा गोठान समितियों को सौंप दिया गया था। हालांकि इसके बावजूद करीब 4 महीने तक कई गोठान समितियों को निःशुल्क गोबर उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद से गोबर खरीदी से लेकर खाद बनाने और उसे बेचने का काम समितियां ही करती आ रही हैं, जिसके बदले उन्हें भुगतान किया जाता है।

5.58 पैसे गोठान समिति को एवं 3.92 पैसे महिला समूह का मेहनताना

एक गोठान समिति के अध्यक्ष ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि वर्मी कम्पोस्ट खाद का मूल्य 10 रुपए है। इस तय कीमत के अनुसार खाद की राशि उनके खाते में विभाग ट्रांसफर भी करता है, लेकिन 10 रुपए में 3.92 पैसे खाद बनाने में मेहनत करने वाली महिला समूह का होता है, वहीं 50 पैसे सेवा सहकारी समिति का तथा शेष 5.58 पैसे गोठान समिति को मिलता है। गोठान समिति को मिलने वाली राशि देखा जाए तो बहुत कम है, क्योंकि खाद बनाने के दौरान पानी, बिजली, केचुआ आदि का खर्च समिति को ही उठाना पड़ता है।

नए सत्र में होगी 36 सौ करोड़ की कमाई, पुराना घाटा 7775 करोड़ का

घरेलू को छोड़ बाकी को लगेगा बिजली बिल का झटका

प्रदेश के करीब 50 लाख घरेलू उपभोक्ताओं के लिए तो यह बड़ी राहत की बात है कि उनको नए सत्र में महंगी बिजली का झटका नहीं लगेगा, लेकिन बाकी वर्ग को महंगी बिजली का करंट जरूर लगना तय है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को जो लेखा-जोखा भेजा है, उसमें उसको नए सत्र में 36 सौ करोड़ का फायदा तो हो रहा है, लेकिन पुराना घाटा 7775 करोड़ का होने के कारण कंपनी ने आयोग को घरेलू उपभोक्ताओं को छोड़कर बाकी वर्ग में घाटे की पूर्ति के लिए टैरिफ बढ़ाने की मांग रखी है। ऐसे में तय है कि बाकी वर्ग के लिए नए सत्र में बिजली महंगी हो जाएगी। अब नियामक आयोग अंतर की जो राशि मंजूर करेगा, उसके हिसाब से ही टैरिफ में बदलाव होगा।हर साल के टैरिफ के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी बिजली नियामक आयोग को दिसंबर में अपना लेखा-जोखा भेजती है, लेकिन इस पर समय पर याचिका नहीं लग सकी। ऐसे में पॉवर कंपनी को याचिका के लिए नोटिस जारी कर दिया गया था। ऐसे में पॉवर कंपनी ने पहले ऑनलाइन और इसके बाद ऑफलाइन अपनी याचिका लगा दी है।

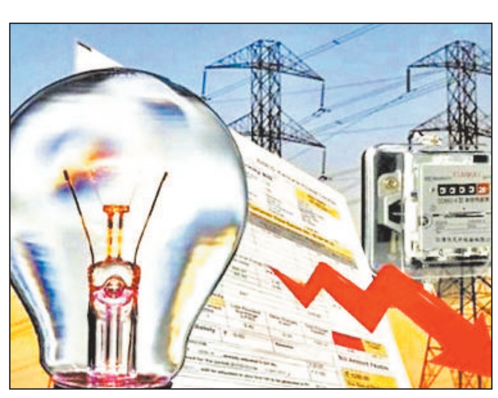

कमाई से ज्यादा घाटा

पॉवर कंपनी ने 2024-25 के लिए जो याचिका लगाई है, उसमें पॉवर कंपनी ने जहां अपना खर्च 18 हजार करोड़ बताया है, वहीं कमाई 21600 करोड़ बताई है। ऐसे में 36 सौ करोड़ का फायदा हो रहा है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि पुराना घाटा बहुत ज्यादा है। जहां पहले का घाटा करीब 4850 करोड़ का है, वहीं पिछले सत्र में बताया गया 2925 करोड़ का भी घाटा है। कुल मिलाकर 7775 करोड़ का घाटा है। इसमें 36 सौ करोड़ की कमाई को कम करने के बाद भी 4175 करोड़ बच रहे हैं। इसमें ब्याज को जोड़ने के बाद करीब 4400 करोड़ की कमी हो रही है।

आयोग तय करेगा टैरिफ

आयोग के पास याचिका लगने के बाद अब आयोग पहले वितरण कंपनी के साथ ही उत्पादन और ट्रांसमिशन कंपनी का भी पूरा लेखा-जोखा देखने के बाद तय करेगा कि कंपनी को वास्तव में खर्च के लिए कितने राजस्व की जरूरत है और उसको वास्तव में बिजली बेचने के कितना राजस्व मिलेगा। इसी के साथ पुराना घाटा कम करने के बाद वास्तव में उसकी पूर्ति के लिए कितने अतिरिक्त राजस्व की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद जनसुनवाई होगी और फिर नया टैरिफ तय होगा। इसमें आयोग अंतर की राशि की पूर्ति के लिए तय करेगा किस वर्ग के टैरिफ में कितना इजाफा होगा। आयोग पुराने घाटे को एक के स्थान पर इससे ज्यादा बार में भी पूरा करने का फैसला कर सकता है। ऐसा होने से टैरिफ में कम इजाफा होगा।

जोड़ों के दर्द के लिए नए-नए प्रयोग छोड़ो सबसे विश्वनीय डा. ऑर्थो तेल से नाता जोड़ो

Dr. Juneja's डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

क्या आप जानते हैं? बेहतर परिणाम के लिए डा. ऑर्थो तेल को जानू बस्ती थेरेपी में इस्तेमाल करने का तरीका

जानू बस्ती थेरेपी क्या है

वैसे तो घुटनों में दर्द के उपचार के लिए अनेकों प्रकार की दवाइयां, थेरेपी एवं सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन इन्हीं में से एक है जानू बस्ती थेरेपी, जोकि ख़ासतौर पर घुटनों में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने में सहायता करती है।

जानू बस्ती थेरेपी कैसे करनी चाहिये

इस थेरेपी को करने के लिए रोगी को सीधा लेटाया जाता है। फिर बेसन या चने के आटे को पर्याप्त मात्रा में पानी के साथ गूँथ लें, घुटनों के चारों ओर गुंथे हुए आटे की मोटी दीवार बनाएं। इसके बाद डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल को अच्छी मात्रा में इसमें भरें। रोगी स्थिर रहें एवं 15 से 20 मिनट तक डा. ऑर्थो तेल ऐसे ही भरा रहने दें। बेहतर परिणाम के लिए इस तेल को दोबारा प्रयोग में न लाएं एवं नए तेल का प्रयोग करें।

जानू बस्ती थेरेपी कैसे काम करती है

आयुर्वेद में तेल को वात दोष शांत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। यह वात दोष के कारण पैदा होने वाली जोड़ों की तकलीफों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पद्धति में डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल को अच्छी मात्रा में घुटनों पर स्थिर रखा जाता है और इस तुलना में यह घुटनों के ऊतकों में प्रवेश कर गतिशीलता बढ़ाने में सहायता करता है। बार-बार ऐसा करने पर जोड़ों के ऊतकों को बल मिलता है। यह प्रक्रिया हर सप्ताह एक से दो बार की जा सकती है।

Clinically Tested* *For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthoil.com
Available at all medical & general stores

प्रथम पृष्ठ का शेष

84 सेकंड में...

ने नवनिर्मित रामजन्मभूमि मंदिर पर पुष्प वर्षा की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की इस मंदिर नगरी में उत्सव शुरू हो गए और लोगों ने नाच-गाकर अपनी खुशी जाहिर की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुनहरी रंग का कुर्ता, क्रीम रंग की धोती और उत्तरीय पहने प्रधानमंत्री मोदी नवनिर्मित राम मंदिर के मुख्य द्वार से अंदर तक पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और गर्भगृह में प्रवेश किया। प्रधानमंत्री इस दौरान अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का एक छत्र भी लेकर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में 'प्राण प्रतिष्ठा' से संबंधित अनुष्ठान किए। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मध्याह्न में साढ़े बारह बजे (12-29) बजे रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। गर्भगृह से मोदी करीब 8,000 लोगों को संबोधित करने के लिए एक अन्य स्थान की ओर गए। इन लोगों में संत, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोग और मनोरंजन, खेल तथा उद्योग जगत की हस्तियां शामिल रहीं। वह कुबेर टीला भी गए और राम मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों से भी बातचीत की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह का सीधा प्रसारण देखा। कई राज्यों ने इस दिन एक दिन के अवकाश की घोषणा की थी ताकि लोग टीवी पर समारोह को देखने के साथ ही आसपास के मंदिरों में कार्यक्रमों में भाग ले सकें। **चरणामृत पीकर पीएम ने तोड़ा 11 दिन का उपवास-** प्रधानमंत्री ने मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि द्वारा दिए 'चरणामृत' को पीकर समारोह से पहले शुरू किए गए 11 दिन के उपवास को तोड़ा।

त्याग, तपस्या के...

इस पवित्र समय से अगले 1,000 साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर हम सभी देशवासी इस पल से समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और यह कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं बल्कि एक नए कालचक्र का उद्गम है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी।

एकजुट रहें, क्योंकि...

प्रतिष्ठा के साथ साथ भारत का आत्म गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा आज का कार्यक्रम नए भारत का प्रतीक है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया की मदद करेगा। भागवत ने कहा कि रामलला 500 साल बाद कई लोगों की तपस्या की वजह से वापस लौटे हैं। मैं उन लोगों के कठोर परिश्रम और त्याग को शत शत नमन करता हूं।" उन्होंने कहा "लेकिन राम क्यों गए ? वह इसलिए गए क्योंकि अयोध्या में कलह थी। राम राज्य आ रहा है और हमें सभी मतभेद त्याग कर, कलह खत्म कर छोटे छोटे मुद्दों पर लड़ना झगड़ना बंद करना होगा। हमें अपना अहंकार त्यागना होगा और एकजुट रहना होगा।

राम का ननिहाल...

पहले उन्होंने रायपुर में दूधाधारी मठ में भी पूजा-अर्चना की। उनके साथ दूधाधारी मठ के महंत राम सुंदर दास और भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी शिवरीनारायण के कार्यक्रम में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री अरुण साव अपने विधानसभा क्षेत्र लोरमी और विजय शर्मा कवर्धा के कार्यक्रमों में शामिल हुए और यहीं पर अयोध्या का सीधा प्रसारण भी देखा। सभी मंत्री, सांसद, विधायक अपने-अपने क्षेत्र के धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने शिवरीनारायण में कार्यक्रम के बाद कहा, यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है कि हम अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह सौभाग्य इसलिए भी बहुत बड़ा है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या की जन्मभूमि है। आज केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया राममय हो गई है। दुनियाभर में सब अलग-अलग तरह से खुशियों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमने अपने धान के कटोरे से भगवान के भोग के लिए सुगंधित चावल भेजा है। रामनाम को अपने अंग-अंग में हृदय में तथा चेतना में बसाने वाले रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को अपना परंपरागत मोर मुकुट पहनाकर अभिनंदन किया।

साव- शर्मा ने...

इसके बाद वे अपने क्षेत्र लोरमी पहुंचे और वहां पर भी पूजा-अर्चना के बाद प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा में पूजा-अर्चना करने के साथ प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। वे वहां पर कई धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

बृजमोहन रायपुर के...

उन्होंने श्रद्धालुओं को रामोत्सव की बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ ही उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि सभी अपने घरों में दिया जलाएं और दीपावली जैसा उत्सव मनाएं। उन्होंने दूधाधारी मठ में सांसद सुनील सोनी और भाजपा के कई नेताओं के साथ अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा।

छत्तीसगढ़ को भय...

राम जी के साथ क्या अतीत में भी कोई नाता रहा है? मेरे स्वर्गीय पिता जी का नाम रामप्रसाद है, बचपन में हम भगवान श्री राम की पूजा करते थे, तब हुनमान जी उनके पास में गदा लिए हुए रहते थे। बचपन से ही भगवान राम की पूजा करते रहा हूं। हमारा बचपन से ही भगवान श्री राम से नाता जुड़ गया था। हमारा पूरा परिवार भगवान राम का भक्त है। जब बड़े हुए और भाजपा से जुड़े तो इस पार्टी का भी भगवान श्री राम ने नाता है। एक समय में घर-घर में राम शिला का पूजन हुआ था, उस समय हम भी इसमें सहभागी बने थे।

प्राण-प्रतिष्ठा के...

बीच भी माताओं के मन में भगवान के प्रति गहरी आस्था थी और ज्यादातर ने इस पावन दिवस पर दुनिया में आए अपने बच्चों के लिए भगवान राम, सीता के साथ रामायण से जुड़े पात्रों के नाम भी सोच लिए थे।

अष्टविनायक में जन्मी...

किया। स्वस्थ बच्ची और स्वस्थ मां को देखकर उन्हें प्रसन्नता है। इससे ज्यादा प्रसन्नता इस बात से है कि बहुत ही शुभ दिन सिया इस दुनिया में आई है।

चाइनीज मांझे ने...

मौसा जीकेबिन चरोदा निवासी वीरेन्द्र भुंडेकर के घर घूमने आया हुआ था। मौसा का बेटा विहांत 4 वर्ष को बाइक में बिठाकर स्कूल छोड़ने के लिए अजय निकला था। इस दौरान सोमवार की सुबह 10.30 बजे देवबलौदा जाने वाले मार्ग के पास कुछ युवक पतंग उड़ा रहे थे।

ऑनलाइन से अब...

मांझे की चपेट में आने से एक दोपहिया चालक की मौत हो गई, दोपहिया में बैठा एक बच्चा घायल हो गया है। स्थानीय स्तर पर चाइनीज मांझे की नियमित मॉनिटरिंग नहीं होने की वजह से इस तरह की घटना घटित होने लगी है। गौरतलब है कि चाइनीज मांझे की खरीदी तथा बिक्री पर रोक लगाई गई है। शासन स्तर पर इसके लिए दुकानदारों को पतंग दुकानों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। राजधानी की पतंग दुकानों में चार माह पूर्व जिला प्रशासन की टीम जांच करने के लिए पहुंची थी, लेकिन उन्हें दुकानों से किसी तरह से चाइनीज मांझे नहीं मिले।

पतंग कारोबारियों ने...

अपनी दुकान में चाइनीज मांझा नहीं रखते। बावजूद इसके लोगों द्वारा चाइनीज मांझा उपयोग करने के सवाल का जवाब देते हुए पतंग कारोबारियों ने कहा पतंग उड़ाने वाले कहां से चाइनीज मांझा मंगाते हैं, उन्हें इनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मंदिर में प्रवेश...

केवल मंदिर में पूजा करना चाहते हैं। वहीं मंदिर में जाने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ धरने पर बैठ गए।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
हरिभूमि सहेली
मंगलवार
23 जनवरी 2024

गणतंत्र दिवस
विशेष

आज जब हम अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं, महिलाओं की स्थिति का आकलन करते हैं तो उनकी राह आसान नहीं दिखती है। लेकिन महिलाओं ने संघर्ष किया और अपना विकास पथ बनाया। आज देश में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाओं की सशक्त भागीदारी ना हो। वे भारत के विकास की अहम कड़ी बन हमारे गणतंत्र को मजबूत बना रही हैं।

भारतीय गणतंत्र को सशक्त बना रही हैं महिलाएं

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी राष्ट्र की बुनियाद उसकी पारिवारिक व्यवस्था होती है। हर क्षेत्र में देश को आगे ले जाने वाले नागरिक घर के आंगन में बड़े होते हैं। उनके विचार और व्यवहार को इसी परिवेश में वह दिशा मिलती है, जो देश की दशा बदल दे। इस मोर्चे पर घरेलू महिलाएं सैनिक-सी डटी नजर आती हैं। वहीं काम-काजी दुनिया में भी महिलाओं ने अपनी भूमिका को हर पहलू पर सिद्ध किया है। परवरिश के दायित्व निर्वहन और पारिवारिक रिश्तों-नातों को पोसते हुए प्रोफेशनल वर्ल्ड में बढ़ती भारतीय महिलाओं की धमक इस गणतांत्रिक देश की गौरव गाथा का हिस्सा है।

जिजीविषा, जद्दोजहद और जीत

एक ओर महिलाएं काम-काजी महिला के रूप में नई इबारत लिख रही हैं तो दूसरी ओर घरेलू जिम्मेदारियां संभालते हुए देश की तरक्की की बुनियाद का पत्थर बन मन-जीवन को थामने का दायित्व भी निभा रही हैं। 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हमारे देश में आधी आबादी का यह सफर आसान नहीं रहा। भारतीय महिलाओं के भीतर बसी जिजीविषा ही है कि उनके कदमों की गति बनी रही। कभी साक्षर भर होने की लड़ाई लड़ने वाली महिलाएं अब उच्च शिक्षा की डिग्रियां ले रही हैं। हर वर्ष परीक्षा परिणामों में अव्वल आती बेटियों के चेहरे बताते हैं कि जद्दोजहद के बाद जीत निश्चित है। सबसे अहम यह है कि उनकी इस जीत में देश की व्यवस्था भी विजेता बन रही है। शिक्षित सजग बेटियां सैन्य मोर्चे से लेकर अंतरिक्ष के अभियानों तक अहम हिस्सेदारी रखती हैं। गणतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में संविधान ने तो महिलाओं और पुरुषों को समान नागरिक अधिकार दिए, लेकिन इन अधिकारों को जीने के लिए आधी आबादी को अनगिनत मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा है। महिलाओं ने पूरे मनोयोग से हर स्तर पर यह लड़ाई लड़ी। जिजीविषा के बल पर जद्दोजहद करते हुए स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने और गणतंत्र को सशक्त बनाने में प्रभावी भूमिका दर्ज कारवाई। विपरीत परिस्थितियों में भी सशक्त मन से उठाए सबल कदमों ने आधी आबादी की जीत सुनिश्चित की।

जागरुकता और जज्बातों का मेल

महिलाओं का सबल होना किसी भी सशक्त राष्ट्र की संजीवनी के समान होता है। बतौर नागरिक सशक्त व्यक्तित्व की धनी महिलाओं का मन संवेदनाओं से पूरित हो, इससे बेहतर क्या हो सकता है। भारतीय महिलाएं अपने मनोबल को कायम रखने और औरों के मर्म को समझने वाले व्यक्तित्व की धनी हैं। आज की महिलाएं जागरूक हैं तो जज्बातों को समझने वाली भी। मेहनती हैं तो अपनों की मान-मनुहार करने वाली भी हैं। सजग हैं तो सामाजिक भी। आधी आबादी की सबलता और मानवीय भावों की समझ का यह मेल समाज को पुख्ता आधार देता है। यही बुनियाद पूरी व्यवस्था को मजबूती से थामती है। आधी आबादी के समझ और संवेदनाओं भरे संघर्ष का ही परिणाम है कि सशक्त नागरिक की भूमिका को जी रहीं भारतीय महिलाएं सामाजिकता के रंग भी बचाए हुए हैं। जीवन के कितने ही रंगों को समेटे बदलाव और बेहतरी की मशाल थामे देश के विकास में भागीदार बन रही हैं। उनके इस हौसले के चलते ही बहुत कुछ बदला है। साथ ही बेहतरी के भावी बदलावों की आशाओं से भी हमारी झोली भरी है। जिस समाज में महिलाओं को अशक्त और आदर्श बनाकर दोयम दर्जे की नागरिक माना गया, वहां अनगिनत समस्याओं से लड़ते हुए स्वावलंबन की ओर अग्रसर होना नई आशाओं को बल देता है। भारतीय गणतंत्र की मुकम्मल कामयाबी में आधी आबादी की भूमिका रेखांकित करने योग्य है।

समर्पण और सुदृढ़ सोच

भारतीय महिलाएं सधी सोच समर्पण के भाव संग समाज में नवसृजन-नवनिर्माण कर रही हैं। उनका चेतना संपन्न व्यक्तित्व नए मार्ग चुन नई मंजिलें तय कर रहा है। महिला मन के मजबूत इरादों से साल-दर-साल उपलब्धियां बढ़ ही रही हैं। महिला वोटर्स की सजगता और भागीदारी देखकर हर बार सुखद आश्चर्य होता है। पंचायती राजव्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं से भी आधी आबादी का जुड़ाव बढ़ा है। साल 2023 में नारी शक्ति वंदन विधेयक यानी वुमन रिजर्वेशन बिल संसद द्वारा पारित किया गया। इस विधेयक में पार्लियामेंट और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। लंबा समय लेने के बावजूद इन बदलावों का धरातल पर उतरने का कारण महिलाओं की दृढ़ता ही है। भारतीय संविधान को बहुत सी आशाओं के साथ देश में लागू किया गया था। इन उम्मीदों में स्त्रियों के लिए समानता और सबलता का पक्ष सबसे अहम था। मौजूदा दौर में स्वतंत्र गणराज्य में देश की आधी आबादी का जीवन हर पहलू पर बदलाव का साक्षी बना है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय में राजनीतिक आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चों पर उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाएं आज स्वयंसिद्धा हैं।

अभिमत / प्रस्तुति : अंशु सिंह

हमारे संविधान ने महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन हमारी परंपरागत सोच ऐसी रही है कि महिलाओं के विकास में बाधाएं बनी हुई हैं, इसका बड़े विवेक से सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना होगा, तभी हम भारतीय गणतंत्र में अपनी सार्थक भागीदारी निभा सकेंगे।

गणतंत्र में ऐसे संभव है हमारी सार्थक भागीदारी

कृष्णा अग्निहोत्री, लेखिका

अब गणतंत्र ही नहीं, गुण तंत्र की अधिक आवश्यकता है, जो गणतंत्र का परिष्कृत रूप होगा। यह महिलाओं के गुण से ज्यादा प्रभावी होगा। क्योंकि नारी सृजन में अत्यधिक प्रवीण है। उसके इस गुण से राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्वाचित पद पाने में आसानी होगी। निर्वाचित महिला, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मातृ-स्वास्थ्य जैसे कल्याणकारी मुद्दे और योजनाओं पर अधिक विचार करेगी। राजनीतिक पार्टियों को टिकट बंटवारे में महिलाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे और भी कल्याणकारी योजनाओं पर बल दिया जाना चाहिए। मैं मानती हूं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय समाज और राजनीति में नारी की भागीदारी बढ़ाने के लिए उसे शिक्षा की सुविधा दी जाए, तो वे अपनी विजय का परचम लहराकर देश के गणतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

रीता गंगवानी, पर्सनालिटी ट्रांसफॉर्मेशन कोच

भारतीय महिलाएं काफी हद तक सशक्त हो चुकी हैं। अब जरूरत है, लैंगिक समानता लाने की। क्योंकि महिलाएं आज भी समान वेतन के लिए संघर्षरत हैं। कार्यस्थल पर उनके लिए उपयुक्त और सुरक्षित माहौल का अभाव है। शादी करना या मातृत्व लाभ लेना उनकी पेशेवर तरक्की में बाधा बनती है। आज महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। अच्छी बात यह है कि देश में महिला साक्षरता दर बढ़ने से उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ा है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इतना ही नहीं, राजनीति में भी उनका दखल स्पष्ट दिखाई देने लगा है। महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन बिल' को मंजूरी मिलने के बाद एक उम्मीद जगी है कि इससे राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

प्रो. फरहाना कौसर, राजनीति शास्त्र विभाग, एएमयू

जब हम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें यह देखना है कि महिलाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने की कितनी आजादी है। मसलन, पंचायती राज व्यवस्था को ही लें। वहां महिलाओं का अच्छा प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि ज्यादातर मामलों में फैसले उनके पति लेते हैं। यह कैसी व्यवस्था है? जनता महिला उम्मीदवार को चुनती है, तो निर्णय लेने का अधिकार भी उनका ही होना चाहिए। अब जब 33 फीसदी आरक्षण के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने जा रही है, तो राजनीतिक दलों के साथ खुद महिलाओं को सोचना होगा कि वे किस प्रकार से राष्ट्र निर्माण में एक सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं, भारत के गणतंत्र को सशक्त बना सकती हैं।

मुमताज जे. शेख, एडवोकेट-सुप्रीम कोर्ट

आज के समय में महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सभी जगहों में अहम भूमिका में हैं। वे विज्ञान जगत में बेहतरीन कार्य कर रही हैं। बड़े-बड़े स्पेस मिशन का नेतृत्व कर रही हैं। दरअसल, महिलाएं प्रतिदिन कई प्रकार की भूमिकाएं सहजता से निभाती हैं, जिस कारण उन्हें समाज की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में महिलाएं अपने नजरिए में बड़ा बदलाव लाकर खुद को सशक्त बना सकती हैं। अपने अधिकारों को पूरा लेने के लिए और समाज में न्याय, समानता बनाए रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। गरीबी, दहेज प्रथा, अशिक्षा के संपूर्ण उन्मूलन और महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों और कानूनों के सार्थक कार्यान्वयन के लिए सख्ती से काम करना होगा, क्योंकि गणतंत्र की मजबूती के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी है। यह परिवार, समाज के साथ राष्ट्रोन्नति के लिए भी अति आवश्यक है।

देश का सर्वप्रथम अत्याधुनिक (अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट

कालडा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर एवं आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी, रायपुर मो. 9827143060, 8871003060

+ 10 इंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन + हेपा फिल्टर/लेमिनर फ्लो 100 प्रतिशत जीवाणु रहित ग्लास केबिन + मल्टीपैरा मॉनीटर्स, वेंटिलेटर + सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई + सेंट्रल सक्शन + जले हुए मरीजों हेतु विशेष बिस्तर + प्रति बिस्तर के लिए समर्पित स्टॉफ + शॉवर ट्राली (जर्मनी से आयातित) + संपूर्ण ओटी व आईसीयू लेमिनर एयर फ्लो + जलने के बाद की विकृतियों का संपूर्ण ईलाज + डायलिसीस की सुविधा + स्कीन बैंक की सुविधा उपलब्ध.

24x7 EMERGENCY Services & Pharmacy | FREE AMBULANCE SERVICES | INSURANC & CASHLES SERVICES | 0% INTEREST FINANCE FACILITY

33 years Anniversary CELEBRATION

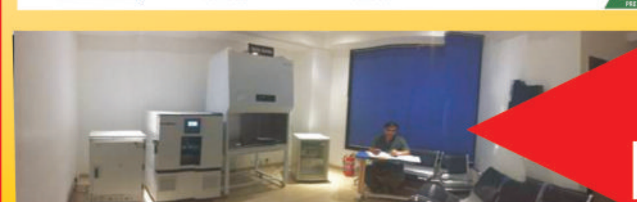

SKIN BANK

नए कीर्तिमान / वीना गौतम

गणतंत्र का मजबूत पहिया हैं भारतीय महिलाएं

आजादी के बाद संविधान निर्मित 'भारतीय गणतंत्र' में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। राजनीति, शिक्षा, देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा, मेडिकल, व्यवसाय, खेल, एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी से लेकर उद्यमिता, सामाजिक सक्रियता और कला-संस्कृति तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं अग्रिम मोर्चे पर अपनी भूमिकाएं ना निभा रही हों।

राजनीति-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान : हाल के सालों में भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की निर्णय लेने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही हैं। आज वो प्रमुख पदों पर हैं, जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे सर्वोच्च पद भी शामिल हैं। महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में भी हाल के दशकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भारतीय महिलाएं कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की ही नहीं, टेक्निकल इंस्टीट्यूट और महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं में भी शानदार उपस्थिति दर्शा रही हैं।

खेल में बढ़ा रही हैं देश का गौरव : महिलाओं ने खेल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एथलीट, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। उड़न परी पीटी उषा, साइना नेहवाल, कर्णम मल्लेश्वरी, सायना मिर्जा, पीवी सिंधु और मैरी कॉम तक अनगिनत लड़कियों ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाकर भारतीय खेलों को नई ऊंचाई दी है।

देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाएं विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नेतृत्व पदों पर कार्यरत हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में योगदान दे रही हैं।

एयरोस्पेस के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान : भारतीय महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में भी नई लकीर खींची है। वे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। इसरो में महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में पुरुष वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो काम किया है, वह अतुलनीय है।

भारतीय गणतंत्र में अमिट छाप : देखा जाए तो महिलाओं ने आजादी के बाद के पिछले कई दशकों में अपने सभी तरह के अधिकारों, सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों के बारे में भी हाल के सालों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सभी संभव प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया है। हर कार्यक्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की ही हैं, अपनी लगन और जिजीविषा से महिलाओं ने भारतीय गणतंत्र में अपनी एक अमिट छाप भी छोड़ी है।

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

भारतीय संविधान में स्त्री हो या पुरुष, सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हैं। लेकिन पारंपरिक सामाजिक संरचना के चलते, महिलाएं आज भी अपने अधिकारों का पूरा उपयोग नहीं कर पाती हैं। देश और आधी आबादी के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि हर स्त्री अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो।

आह्वान / आशा शर्मा

स्वविवेक से हम करें अपने अधिकारों का उपयोग

भारत का संविधान लिखते समय बाबा साहब आंबेडकर और उनकी प्रारूप समिति द्वारा समाज के सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया था। आज हम अपने संविधान पर गर्व करते हैं, क्योंकि इसमें समाज की आधी आबादी को भी पूरे अधिकार दिए गए हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार देने का प्रावधान है, लेकिन क्या सामाजिक स्तर पर भी संविधान की पालना की जाती है? क्या

हमारा गण (समाज) भी तंत्र (संविधान) के समान महिलाओं को समता का अधिकार देता है? यदि नहीं तो महिलाओं के ऐसे बहुत से मौलिक अधिकार हैं, जिन पर गण और तंत्र की सोच के बीच के मतभेद को मिटाने की पहल करने की जरूरत है। यहां हम ऐसे ही कुछ मौलिक अधिकारों की सामाजिक स्थिति को देखने का प्रयास कर रहे हैं।

मतदान का अधिकार: संविधान का अनुच्छेद 326 हमें मतदान का अधिकार देता है। हमारे देश में संविधान द्वारा 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार दिया गया है। तंत्र के स्तर पर देखा जाए तो इसमें स्त्री-पुरुष में कोई भेद नहीं है, लेकिन सामाजिक स्तर पर देखें तो आज भी अधिकांश महिलाओं के वोट की स्थिति परिवार के पुरुषों द्वारा निर्धारित की जाती है। महिलाओं को मतदान केंद्र के अंदर जाने से पहले तक रटाया जाता है कि उन्हें किस चुनाव चिन्ह पर मोहर लगानी है? सुनो स्त्रियों! अब दूसरों द्वारा निर्देशित इस मानसिकता से बाहर निकलने का समय आ गया है। स्वयं विचार करो, सोचो-समझो फिर सही प्रत्याशी को अपने मत के जरिए चुनो।

शिक्षा का अधिकार : संविधान के अनुच्छेद 21, भाग 3 में शिक्षा का अधिकार दिया गया है। संविधान में 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। इसके साथ-साथ सरकारें भी अपने स्तर पर महिला शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल करते हुए उनके हित में अनेक योजनाएं लाती हैं। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद सामाजिक स्तर पर आज भी महिला शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया जाता। कोई परिवार यदि एक ही बच्चे को पढ़ाने में सक्षम है तो निश्चित रूप से वह बालक की शिक्षा को ही प्राथमिकता देगा बालिका की शिक्षा को नहीं। सुनो स्त्रियों! तुम चाहे कैसी भी परिस्थिति में रह रही हो लेकिन बेटे के समान ही अपनी बेटी को भी शिक्षा का अधिकार अवश्य दिलाओ। ना भूलों कि बेटी को आत्मनिर्भर बनाने की राह में यह पहला कदम है।

समान वेतन का अधिकार : संशोधित अधिनियम-1976, अनुच्छेद-141 के अनुसार, संविधान में समान पद पर समान वेतन का अधिकार प्रदत्त है। लेकिन सामाजिक स्तर पर महिलाओं को यह अधिकार केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित है। अन्य कई संस्थानों में आज भी महिला और पुरुषों के वेतनमान में असमानता देखी जाती है। यहां तक कि बहुत से संस्थान तो महिलाओं को अधिक महत्वपूर्ण पद या जिम्मेदारी देने से भी कतराते हैं। असंगठित क्षेत्रों में तो महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले लगभग आधी पगार ही दी जाती है। सुनो स्त्रियों! अपने साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से ना झिझको। आंदोलन करो और अपना हक लेकर ही मानो।

संपत्ति में अधिकार : हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, 2005 के अनुसार, भारतीय संविधान महिलाओं को पैतृक संपत्ति में भी बराबर का अधिकार देता है। लेकिन अपने आस-पास के समाज में निगाह दौड़ाएं तो ऐसे कितने परिवार हैं, जो इस कानून को मानते हैं? आज भी पैतृक संपत्ति घर के बेटों में ही बराबर बंटती है। हां, कानून की निगाहों में धूल झोंकने के लिए अवश्य महिलाओं से उनके हिस्से की संपत्ति को भाइयों के हक में रिलीज करवा लिया जाता है। सुनो स्त्रियों! अपनी भावनाओं से खेलने का हक किसी को ना दो। अपने अधिकार का हिस्सा लेने में कैसी शर्म? जरूरत पड़े तो अपने अधिकार के लिए कानून का सहारा लो।

जीवनसाथी चुनने का अधिकार : संविधान का अनुच्छेद 21 महिलाओं को भी पुरुषों के समान अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। लेकिन क्या सचमुच महिलाएं ऐसा करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं? सच यह है कि आज भी उनकी सोच पर परिवार और समाज का पहरा होता है। आज भी अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने वाली लड़की को समाज तिरछी निगाह से देखता है। ऑनर किलिंग जैसी घटनाएं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सुनो स्त्रियों! अपने मन की सुनो। बिना किसी दबाव के अपना जीवनसाथी चुनो, क्योंकि उसके साथ जीवन तुम्हें बिताना है, समाज को नहीं।

सिर्फ यहां बताए गए अधिकार ही नहीं, ऐसे ही और भी बहुत से अधिकार हैं, जो हमारे संविधान और शासनतंत्र ने तो दिए हैं लेकिन गण द्वारा उनकी अनुपालना नहीं की जाती है। हमें याद रखना चाहिए कि कोई भी अधिकार थाली में परोसकर नहीं मिलते, उनके लिए आवाज उठानी पड़ती है, संघर्ष करना पड़ता है। प्रवाह में रुकावटें आना स्वाभाविक सी बात है लेकिन इस तरह की बाधाओं से घबराकर आवाज उठानी बंद मत कर देना। भरोसा रखों, वो समय अवश्य आएगा, जब आधी आबादी को पूरे अधिकार मिलेंगे। तब तक प्रयास और निरंतर संघर्ष करते रहना होगा।

गौरवमयी अतीत / शिखर चंद जैन

कई महिलाओं ने निभाई संविधान निर्माण में अहम भूमिका

26 जनवरी 1950 को जो संविधान देश में लागू हुआ, उसके निर्माण में महिलाओं ने भी महती भूमिका निभाई थी। संविधान सभा में सम्मिलित कुछ महिला हस्तियों की भूमिका पर एक दृष्टि।

हालांकि भारतीय संविधान निर्माण के लिए गठित हमारी संविधान सभा में कुल 389 सदस्यों में से सिर्फ 15 महिलाएं ही थीं। लेकिन इन महिलाओं ने इसमें बड़ी भूमिका का निर्वाह किया। ये महिलाएं थीं-अम्मू स्वामीनाथन, दक्षयानी वेलायुधन, बेगम एजाज रसूल, दुर्गाबाई देशमुख, एनी मसकाराने, हंसा जीवराज मेहता, कमला चौधरी, लीला राय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, राजकुमारी अमृत कौर, रेणुका राय, सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, विजय लक्ष्मी पंडित। इनमें से हम आपको उन महिलाओं के बारे में यहां बता रहे हैं, जिनके बारे में बहुत कम लिखा गया है, जबकि उनकी भी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

दक्षयानी वेलायुधन

4 जुलाई 1912 को कोचीन के बोलागेटी आईलैंड के एक दलित परिवार में दक्षयानी वेलायुधन का जन्म हुआ था। 1945 में उन्हें राज्य सरकार द्वारा कोचीन लेजिस्लेटिव काउंसिल के लिए चुना गया। वे 1946 में संविधान सभा में चुनी जाने वाली पहली और अकेली दलित महिला थीं। दक्षयानी ने संविधान निर्माण के दौरान दलित अधिकारों की बात उठाई। वे असेंबली की सबसे युवा सदस्य थीं। उन्होंने भरी सभा में कहा कि जातिगत भेदभाव या संप्रदायवाद चाहे वह किसी भी रूप में हो, राष्ट्रीयता की भावना के खिलाफ है। लेकिन वे अनुसूचित जाति के नाम पर आरक्षण के पक्ष में भी नहीं थीं।

बेगम एजाज रसूल

बेगम एजाज का जन्म एक अमीर मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनकी शादी जमींदार नवाब एजाज रसूल से हुई। संविधान सभा की वह अकेली मुस्लिम महिला सदस्य थीं। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 अधिनियम लागू होने पर उन्होंने अपने पति के साथ मुस्लिम लीग ज्वाइन किया। इसके बाद वे चुनावी राजनीति में सक्रिय हो गईं। 1952 में वे राज्यसभा के लिए चुनी गईं और 1969 से 1990 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्य रहीं। बेगम एजाज रसूल ने आरक्षण को एक आत्मघाती कदम बताया था। उनका मानना था कि यह अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों में टकराव की स्थिति उत्पन्न करेगा। उन्होंने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की बात को पुरजोर तरीके से रखा। उनकी सलाह थी कि इसे सुनिश्चित करने के लिए हर राज्य में एक स्वतंत्र निकाय नियुक्त होना चाहिए।

पूर्णिमा बनर्जी

पूर्णिमा बनर्जी, इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समिति की सचिव थीं। 1930-40 के दशक में स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेने वाली महिलाओं में उनका प्रमुख नाम था। सत्याग्रह आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। समाजवादी विचारधारा पर उनके भाषण बेहद प्रभावशाली होते थे। उन्होंने ट्रेड यूनियन, किसानों और ग्रामीण अंचलों के लिए काफी काम किया। पूर्णिमा बनर्जी महिलाओं को समान शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की बात पर हमेशा जोर देती रहीं। उन्होंने कारागार में बंद लोगों के अधिकारों पर भी लंबी बहस की थी।

राजकुमारी अमृत कौर

लखनऊ में जन्मी राजकुमारी अमृत कौर, स्वतंत्र भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री थीं। इस पद पर वे 10 वर्षों तक रहीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई इंग्लैंड के शेरबोर्न स्कूल फॉर गर्ल्स से की। बाद में वे 16 वर्षों तक महात्मा गांधी की सचिव रहीं। वे दिल्ली स्थित एम्स यानी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की संस्थापकों में से एक थीं। वे महिलाओं को शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य में समान अधिकार दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और कर्तव्यों के लिए जरूरी मशविरा देते हुए समान नागरिक कानून की बात भी उठाई। उनके मुताबिक यूसीसी महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में समान अधिकार सुनिश्चित कर सकता है।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नारीशक्ति की शान

गर्वायोजन / शैलेंद्र सिंह

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के हमारे भारत में बहुत कुछ नया, बहुत कुछ पहली बार हो रहा है। इसी क्रम में इस बार गणतंत्र दिवस परेड पर महिला सैनिकों की भरपूर जांबाजी देखने को मिलेगी।

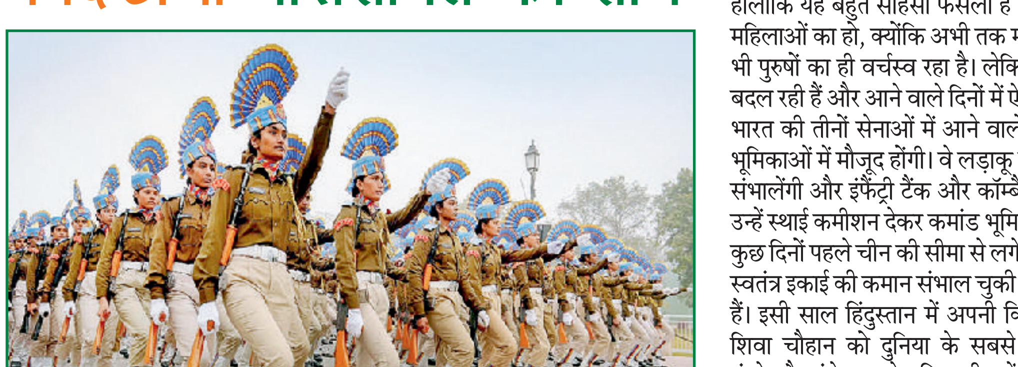

बहुत कुछ दिखेगा पहली बार

इस साल गणतंत्र दिवस परेड को साल 2019 बैच की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्वेता के. सुगाथन लीड करेंगी। इस परेड में दिल्ली पुलिस की हेड महिला कांस्टेबलों के साथ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, नौसेना, वायु सेना सहित सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक की सभी महिला टुकड़ियां भी शामिल होंगी, जिनमें सैन्य नर्सिंग सेवा और महिला डॉक्टर भी शामिल होंगी। इस बार गणतंत्र दिवस की मार्चिंग परेड में तीनों सेनाओं की अग्निवीर महिला सैनिक भागीदारी करेंगी। इस बार की परेड में आर्मी, इंडियन नेवी और एयरफोर्स की महिला सैनिकों का जॉइंट दस्ता भी होगा, जिन्हें तीनों सेनाओं की महिला ऑफिसर एक साथ परेड में लीड करेंगी। अब के पहले कभी भी तीनों सेनाओं का संयुक्त दस्ता गणतंत्र दिवस परेड में एक साथ शामिल नहीं हुआ। इसलिए यह ऐतिहासिक घटना होगी। इसकी घोषणा पिछले साल ही कर दी गई थी।

परेड की थीम होगी नारीशक्ति

भारत में गणतंत्र दिवस परेड, सैन्य समारोह के मामले में सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। ऐसे में इस बार कर्त्तव्य पथ पर महिला सैनिकों की परेड देखना, एक नए युग को करवट लेते देखना होगा। सिर्फ महिला सैनिकों की परेड ही नहीं होगी बल्कि इस परेड में झांकी और परफॉर्मेंस में भी महिलाएं ही शामिल होंगी। मार्चिंग बैंड भी महिलाओं का ही होगा। हालांकि साल 2015 के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला अफसरों के दस्ते ने शिरकत की थी और साल 2023 की परेड में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और त्रिपुरा की झांकियों में भी नारी शक्ति की झलक दिखी थी। लेकिन पूरी तरह से परेड की थीम नारी शक्ति पर पहली बार रखी गई है।

बढ़ रही महिला भागीदारी

दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी रुयांगुनुओ केंसे करेंगी। वास्तव में केंद्र सरकार ने इस बार गणतंत्र दिवस परेड की पूरी थीम को महिला भागीदारी से ओत-प्रोत रखा है। इस फैसले के चलते कर्त्तव्य पथ पर इस साल हर तरफ देश का परचम लहराती हुई महिलाएं नजर आएंगी। हालांकि यह अचानक नहीं हो रहा, वर्तमान केंद्र सरकार लगातार सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है और अब सेना के तमाम क्षेत्रों में भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को सौंपे जाने की तैयारी हो रही है। भारतीय सेना जल्द ही आर्टिलरी रेजीमेंट में महिलाओं को कमान सौंपने की तैयारी कर रही है।

सेना में दिख रहे कई बदलाव

हालांकि यह बहुत साहसी फैसला है कि कर्तव्य पथ पर मार्चिंग बैंड सिर्फ महिलाओं का हो, क्योंकि अभी तक मार्चिंग दस्ते में भी और मार्चिंग बैंड में भी पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। लेकिन अब धीरे-धीरे स्थितियां हर तरफ बदल रही हैं और आने वाले दिनों में ऐतिहासिक रूप से बदली हुई दिखेंगी। भारत की तीनों सेनाओं में आने वाले दिनों में महिलाएं, पुरुषों के बराबर भूमिकाओं में मौजूद होंगी। वे लड़ाकू विमान उड़ाएंगी, युद्धपोतों की कमान संभालेंगी और इंफैंट्री टैंक और कॉम्बैट में भी पॉजिशन लेती हुई दिखेंगी। उन्हें स्थाई कमीशन देकर कमांड भूमिकाएं सौंपी जाएंगी। कर्नल गीता राणा कुछ दिनों पहले चीन की सीमा से लगे संवेदनशील लद्दाख के क्षेत्र में एक स्वतंत्र इकाई की कमान संभाल चुकी हैं, जो पहली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसी साल हिंदुस्तान में अपनी किसी महिला सैन्य अधिकारी कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे और ठंडे युद्ध क्षेत्र सियाचीन में तैनात किया है। भारतीय सेना में हो रहे ये तमाम ऐतिहासिक बदलाव इस बार की गणतंत्र दिवस परेड में दिखेंगे। सेना में आधी आबादी महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभर रही है। यह अकारण नहीं है कि भारत ने पहली बार सूडान के अबेई जैसे जोखिम भरे क्षेत्र में 27 महिला शांति सैनिकों की अपनी टुकड़ी तैनात की है। इन सब ऐतिहासिक हलचलों के बीच गणतंत्र दिवस परेड का खास होना स्वाभाविक है। वैसे भी यह 75वां गणतंत्र दिवस है, जो कि आजादी के बाद के लोकतांत्रिक सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। ऐसे में महिलाओं की बढ़ती भूमिका निश्चित ही गर्व करने योग्य है।

लघुकथा / ललित शौर्य

लक्ष्मीबाई ब्रिगेड

अनुराधा मोहल्ले में नई-नई आई थी। आते ही उसने पूरे मोहल्ले की महिलाओं का दिल जीत लिया। वह गाती बहुत सुरीला है। अब तो वह किटी पार्टी, मैरिज एनिवर्सरी और बर्थ-डे पार्टीज की जान बन गई है। सभी उसकी बहुत तारीफ करते हैं। उसके मीठे गायन की तरह उसका व्यवहार भी सबके प्रति बहुत मीठा रहता है।

गणतंत्र दिवस नजदीक था। अनुराधा ने मोहल्ले की महिलाओं से पूछा, 'आप लोगों का इस बार गणतंत्र दिवस पर क्या प्लान है? कोई धमाकेदार तैयारी करते हैं, जो कुछ अलग हटकर हो।'

'अरे गणतंत्र दिवस तो बच्चे और पुरुष मनाते हैं। हम महिलाएं कहां इसे मनाती हैं, घर के कामों में बस लगी रहती हैं।' ममता बोली।

'ममता ठीक कहती है, हमारे मोहल्ले में तो हमेशा बच्चे और पुरुष ही गणतंत्र दिवस पर प्रभात-फेरी निकालते हैं। पुरुष समारोह का आयोजन और संचालन करते हैं। महिलाएं इन आयोजनों में कोई हिस्सेदारी नहीं निभातीं।' सरिता ने बताया।

अनुराधा यह सब सुनकर चौंकी, बोली, 'ऐसा कैसे हो सकता है? संविधान ने हम महिलाओं को इतने अधिकार दिए हैं। आधी आबादी को ध्यान में रखते हुए कई कानून बनाए गए हैं। नारी शक्ति वंदन बिल भी पिछले दिनों संसद में पास हुआ है। ऐसे में हमें अपने संविधान और देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का इससे अच्छा अवसर क्या मिलेगा? मैं तो कहती हूं, हम सब मिलकर लक्ष्मीबाई ब्रिगेड बना लेते हैं। गणतंत्र दिवस वाले दिन हमारे ब्रिगेड की परेड अलग से निकले। उस दिन हम देशभक्ति के गीत गाएं, साथ में अन्य आयोजन भी करें।'

'ऐसा तो हमने कभी सोचा ही नहीं, तुम ठीक कहती हो अनुराधा। हम आज से ही गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरू कर देते हैं।' ममता उत्साह से बोली। मोहल्ले की अन्य महिलाओं ने भी इस कार्यक्रम के लिए सहमति दे दी।

अगले ही पल मोहल्ले की लक्ष्मीबाई ब्रिगेड का गठन हो गया। इस ब्रिगेड ने एक भव्य आयोजन की योजना बनाई। बड़े-बुजुर्गों ने जब गणतंत्र दिवस पर इस तरह महिलाओं की भागीदारी की बात सुनी तो उन्होंने इसकी सराहना की। उन्हें अपने मोहल्ले की महिलाओं पर गर्व महसूस हो रहा था।

चार साल बाद जंगल सफारी में बाघिन के साथ शेरनी शावकों की धमाचौकड़ी

- बंगाल टाइगर बिजली के साथ शेरनी प्रियंका ने चार-चार शावकों को दिया जन्म
- शावक पूरी तरह से स्वस्थ, सुरक्षा के लिहाज से आइसोलेशन वार्ड में रखा गया

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एक तरफ देश के साथ राज्य रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पुलकित है, वहीं मानव निर्मित एशिया के सबसे बड़े जंगल सफारी में चार साल बाद बिघिन बिजली तथा शेरनी ने चार-चार शावकों को जन्म दिया है। शावकों की सेहत को ध्यान में रखते हुए आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

शावकों की तीमारदारी करने 24 घंटे निगरानी करने की व्यवस्था की गई है। जंगल सफारी में पिछले चार वर्षों से बाघों के साथ लॉयन की मेटिंग नहीं कराई जा रही थी, इसकी वजह जगह की कमी बताया जा रहा है। सफारी में बाड़ों की संख्या बढ़ने के बाद बंगाल टाइगर की बिजली तथा लॉयनेस प्रियंका का लॉयन तथा टाइगर के साथ मेटिंग कराया गया। लंबे अरसे के बाद सफारी में नए मेहमान आने के बाद सफारी प्रबंधन खुश है। नए मेहमान शेड्यूल-1 प्रजाति के वन्यजीव हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए शेर तथा बाघ प्रजाति के शावकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

आइसोलेशन वार्ड में कैमरे लगाए गए

शावकों तथा उनकी जन्म देने वाली मां की 24 घंटे निगरानी रखने आइसोलेशन वार्ड में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अफसर शावकों तथा उनकी मां की पल-पल की गतिविधियों को देख रहे हैं। इसके साथ ही शावकों को ठंड से बचाने आइसोलेशन वार्ड का ट्रैम्प्रेचर मेंटेन किया जा रहा है।

संवेदनशील होते हैं शावक

शेरनी, बाघिन सहित तमाम प्रजाति के वन्यजीव जो जू में रहते हैं, उनके शावक काफी संवेदनशील होते हैं। शावकों को इन्फेक्शन का खतार बना रहता है। इस वजह से जहां शावकों को रखा गया है, उसके आसपास किसी को जाने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा शावकों को किसी भी तरह से वैक्टिरिया से बचाने आइसोलेशन वार्ड में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है।

डाइट में कटौती के साथ पूरक आहार

शावकों को जन्म देने वाली शेरनी तथा बाघिन की डाइट में कुछ दिनों के लिए कटौती की गई है। इसके अलावा इन दोनों वन्यजीवों को खाने के लिए जो मांस परोसे जा रहे हैं, उसकी पहली जांच की जा रही है। इसके साथ ही दोनों वन्यजीवों के दूध में किसी तरह से संक्रमण न हो, इस बात का ध्यान में रखते हुए उस हिसाब से दोनों वन्यजीवों को मांस में दवा मिलाकर परोसा जा रहा है। साथ ही दोनों वन्यजीवों की इम्यूनिटी बढ़ाने की दवा दी जा रही है।

श्री वेंकटेश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सी -14, सेक्टर 8ए, कौशल्या (कमल) विहार रायपुर में स्थित श्री वेंकटेश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ रविवार दोपहर 12 बजे हुआ। इस अवसर पर हॉस्पिटल के सीईओ विनीत सैनी, डायरेक्टर डॉ. निशांत सिंह चंदेल, डायरेक्टर डॉ. कमल कांत आदिले, डॉ. निमेष नेभानी, डॉ. प्रतीक जैन, डॉ. सरस्वती नाग, डॉ. इशरत कौर, डॉ. किंशुक सरभाई एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। श्री वेंकटेश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ विनीत सैनी ने बताया कि हॉस्पिटल में 30 अनुभवी डॉक्टरों से अधिक की टीम, 200 से अधिक अनुभवी नर्सिंग स्टाफ की टीम है। साथ ही यह हॉस्पिटल 45 आईसीयू बेड, 24 घंटे इमरजेंसी डिपार्टमेंट, 12 बेड डायलिसिस यूनिट तथा 5 ऑपरेशन थिएटर से सुसज्जित है।

बता दें कि श्री वेंकटेश हॉस्पिटल में सभी वर्गों के मरीजों के लिए

हेल्थ प्लस

उपयुक्त दरों में एनएबीएच मानकों के हिसाब से की उच्चतम देखरेख की सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री वेंकटेश हॉस्पिटल नवीनतम तकनीक तथा एआई माध्यम से पेपरलेस हॉस्पिटल है जिससे सभी मरीज अपने हेल्थ चेकअप रिकॉर्ड्स बिना सम्भाले अपने फोन में ही देख सकते हैं।

स्थानीय उत्पादों का बाजार बना रेलवे, पहली बार जोन के 50 स्टालों में कलाकृतियों की लगेगी प्रदर्शनी

रायपुर। वोकल फार लोकल विजन को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना की शुरुआत की है। इसके तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में स्टालों का अर्धशतक यानी 50 स्टाल लग रहे हैं। रेलवे की व्यापक पहुंच को ध्यान में रखते हुए दपूमरे जोन में भी यह योजना को शुरू की गई है। इसके विभिन्न स्टेशनों पर स्थानीय कपड़े, हस्तशिल्प, मिट्टी से निर्मित वस्तुएं, हथकरघा, बांस के उत्पाद, वनोपज की प्रदर्शनी व ब्रिकी की जा रही है। इन स्टालों को 15-15 दिनों तक लगाने की व्यवस्था है। जोन के 46 स्टेशनों पर 50 स्टाल लग रहे हैं। इन स्टालों में उपलब्ध कलाकृतियों एवं सामान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों के बनाए गए विलक्षण कलाकारी से यात्री परिचित हो रहे हैं। इसके साथ ही खरीदारी भी कर रहे हैं।

रेलवे अपने खर्च पर लगा रहा कियोस्क

योजना के तहत रायपुर में होम मेड डेकोरेटिव, तो वहीं बिलासपुर स्टेशन में हर्बल औषधि व हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट, कोरबा में पैरा आर्ट, रायगढ़ में हर्बल उत्पाद, अनूपपुर में ट्राइबल आर्ट, शहडोल में शहद, अंबिकापुर में हर्बल औषधि, दुर्ग में होम मेड बरी, पापड़, अचार राजनांदगांव में मिलेट्स, गोंदिया में बेम्बू आर्ट उत्पादों के स्टाल हैं।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आयुर्वेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटो तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़कों की आवश्यकता है सैलेरी 7000+ कमीशन+ बोनस रहना खाना फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 15000 से 20000 महीना सम्पर्क करें- टिकरापारा बिलासपुर 96854 71225, 7354831848 (32647)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 10वी, 12वीं, स्नातक, घरेलू महिलायें इच्छुक सम्पर्क करें- मन्दिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 8962050693 (32648)

आवश्यकता है-सूटकेस दुकान में साफ सफाई हेतु 2 लड़कों की आवश्यकता है वेतन+ 1100 बोनस समय सुबह 10 से रात्रि 10बजे तक सम्पर्क- बालाजी बैग हाउस टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9827955578 (32646)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 25, महिला गार्ड-5, फील्ड ऑफिसर-2 आवास फ्री वेतन 8000- 12000 योग्यतानुसार। पता- NSG राजू सर्विस सेंटर के बगल, शंकर नगर हेमू नगर गेट के पहले, 07752464611, 9303598122, 90093 25324, 9303280228 (32449)

आवश्यकता है-मैरिज ब्यूरों में टेलिकॉलिंग हेतु (18-28 वर्ष) युवतियां, महिलाएं चाहिए। सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- गणेश चौक, साई मंदिर, छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल के पास, बिलासपुर 9981898334 (32644)

आवश्यकता है-कृषि दुकान में सेल्स कार्य हेतु 2 कर्मचारियों की आवश्यकता है बिलासपुर किसान परिवार के कम्प्यूटर जानकार, मोटर साइकल वाले को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 2 से शाम 7बजे तक कृषि विजय शनिचरी बाजार बिलासपुर 9921145331 (32643)

आवश्यकता है-घर में बुजुर्ग की देखभाल हेतु केयर टेकर लड़के की आवश्यकता है वेतन 10000, 12000+ रहना खाना सम्पर्क करें-बिलासपुर 82248 15551 (3697)

आवश्यकता है-फैक्ट्री हेतु सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर-10, वेतन 14-20 हजार तक गार्ड 12-18 तक (PF+ ESIC + Bonus, खाना + आवास की सुविधा) 10वीं से स्नातक तक नोटः- वेतन प्रतिमाह 7 तारीख को संपर्क- शिव सेक्युरिटी शॉप नं. 28 कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन, रायपुर (छ.ग.) फोन 0771-4036689, 88067 70891, 7052408688 (1084)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प में कार्य करने हेतु युवकों और युवतियों की आवश्यकता है। फ्रेशर युवक/ युवतियों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- बुखारी पेट्रोल पम्प, अग्रसेन चौक, बिलासपुर (32641)

आवश्यकता है-अंजनी बिल्डकॉन में सेल्स/ मार्केटिंग हेतु लड़के-4, लड़कियां-4, ऑफिस कार्य हेतु लड़कियां-2 की आवश्यकता है संपर्क- निखिल टॉवर शॉप न.-27, सीपत मेनरोड मोपका- 62619 62696, 9827209827 (2442)

Required- Hiring M/s Sushil & Surendra (Chartered Accountants), Qualification- B.Com.+ (English medium) & Tally Software, experience- 1 to 10 years, salary- 8K to 15K (according to Ability). Mob - 9589009993 casurendra@yahoo.co.in (32639)

आवश्यकता है-तिफरा, सिरगिट्टी,व्यापार विहार, राजकिशोर एवं भूपदेवपुर (रायगढ़) दगौरी (बिल्हा) प्लांटों में गार्ड चाहिए रहना फ्री, पेमेंट 9000 से 13000 आस्था वाच पावर आफिस-15 बजरंग काम्प्लेक्स, तेलीपारा 8889997822, 97547 13125, 7000894356 (32623)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर महिला या युवती की आवश्यकता (जिसे बिजी साफ्टवेयर चलाना आता हो) सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 9827473604, 91314 52265 (32624)

आवश्यकता है-खेत्रपाल मल्टी स्पेशलिटी डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने देने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रेम अपार्टमेन्ट, मुंगेली नाका, बिलासपुर 9111052333 (32640)

आवश्यकता है-टेली कॉलिंग हेतु युवतियों महिलाओं की आवश्यकता है (5000 फिक्स सैलरी) अलग से कमीशन+ एक्सट्रा इनकम 10000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- गणेश चौक नेहरू नगर बिलासपुर 7610415969 (32638)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (32900- 81770) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, चेकर, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (सभी फ्री सुविधाएं) रायपुर 08929 328091 (2441)

आवश्यकता है-चश्मे के शोरूम में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें अमर ज्योति आप्टिकल्स जीत टाकीज रोड राजीव प्लाजा बिलासपुर 79874 00950, 7354255424 (32629)

आवश्यकता है-स्पोर्टस दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन-6000 से 11000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें छाया स्पोर्ट्स सदर बाजार बिलासपुर (32633)

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेंसी के अंतर्गत मोटर साइकिल एवं होंडा शोरूम में कार्य हेतु गार्ड की आवश्यकता है उम्र 30 से 50 साल, अनुभवी कोप्राथमिकता संपर्क करें 9981630084 (2437)

आवश्यकता है-रेस्टोरेंट में काम करने के लिए लेडीज वेटर और नॉन वेज कुक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- छोटूजी रेस्टोरेंट, भारतीय नगर चौक बिलासपुर 97556 55055 (32610)

आवश्यकता है-प्लाईवुड, हार्डवेयर दुकान में अनुभवी सेल्समेन लड़के चाहिए, अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित मिले- शाम 4 के बाद बालाजी सेल्स कार्पोरेशन बच्चपन स्कूल के पास मंगला चौक बिलासपुर 6263256324, 98271 52999 (32611)

आवश्यकता है-घर में एक तीन माह की बच्ची की देखरेख के लिए आया की आवश्यकता है सम्पर्क करें- समाधान नर्सिंग होम राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर (32606)

आवश्यकता है-(1) तत्काल महिला/ पुरुष ड्राइवर (2) कार्यालय सचिव कम्प्यूटर कौशल सहित अंग्रेजी में निपुण सोशल मीडिया का ज्ञान आवश्यक (3) चपरासी (योग्यता मिडिल स्कूल) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8109538000 (32615)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड, ऑपरेशन मैनेजर, सुपरवाइजर (केवल अनुभवी) की आवश्यकता है बिलासपुर में। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 8319001366, 9165931618 (32612)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी में पार्ट /फुल टाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां, ग्रहणीया, स्टूडेंट, रिटायर्ड पर्सन कमाए (21500- 67500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whats app करें:- 9631550466 (2425)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं, 12वी, स्नातक, वेतन 10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 20000 से 25000 सम्पर्क करें- 9039470547, 7489497447, 73897 69528 (32614)

आवश्यकता है-राँची, आगरा में रहकर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है, उम्र 18 से 25 वर्ष सैलरी 9000+ कमिशन+ बोनस (रहना फ्री) सम्पर्क करें मंगला चौक बिलासपुर 7879036112 (32637)

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर मे सुपरवाईजर, सुरक्षागार्ड, गनमैन की आवश्यकता है PF, ESI मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्युरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9300803366, 9109930584, 78040 84637 (32532)

आवश्यकता है-बिलासपुर रायपुर में लड़की/ महिला की जरूरत है बच्चा, सम्भालने हेतु, बुजुर्ग एवं मरीज सेवक, घरेलु खाना बनाने हेतु, काम वाली बाई, रोजगार सहायक सम्पर्क करें- 9244664654, 07752446646 (32613)

आवश्यकता है-ग्लोबल इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेन्ट भर्ती लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500+ 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना, मेडिकल फ्री मार्क शीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। सम्पर्क करेः- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास, लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) 9109799525 (6301)

आवश्यकता है-राजनांद गांव से 12 कि.मी. पर नए बन रहे मछली और बकरी फार्म में रहकर चौकीदारी करने वाले व्यक्तियों की। संपर्क- 7722916130 (397)

आवश्यकता है-क्या आप एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी पाना चाहते है? तो अधिक जानकारी के लिए नीचे दिये गये नम्बर में संपर्क करें- यह पूर्णतः निःशुल्क है 91542 90761, 9154290760 (32579)

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी SMS Sending Calling Job करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए 21500- 48500 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ़्त Name पता Qualification, Call/ SMS/ Whats App करें- 8695963713 (1306)

आवश्यकता है-साक्षी प्राइवेट ITI में कम्प्यूटर आपरेटर एवं आफिस में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 तक सम्पर्क करें-छाया स्पोर्ट्स सदर बाजार बिलासपुर (32631)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग वर्क हेतु लड़कियों की एवं महिलाओं की आवश्यकता है, शिक्षा 8वी से ग्रेजुएशन तक संपर्क पताः- CMO ऑफिस के सामने सरकंडा SECL रोड बिलासपुर सम्पर्क करें-93406 43084, 6264277133 (2424)

आवश्यकता है-स्वप्निल बिल्ड कंस्ट्रक्शन आर्किटेक्ट्स कम्पनी को ऑफिस, मार्केटिंग हेतु युवतियां चाहिए योग्यता हिन्दी अंग्रेजी टाइपिंग,ग्रेजुएशन अनिवार्य। वेतन 10000 से 25000 सम्पर्क करे-राधा परिसर मोपका बिलासपुर 7415002702, 93028 22476 (32512)

आवश्यकता है-घर में काम करने हेतु स्टाफ (केवल महिला) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। रहने एवं खाने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- सीएमडी चौक बिलासपुर 7000305315 (32505)

आवश्यकता है-इत्र, पर्फ्यूम शोरूम में कस्टमर हेंडल करने, एकाउन्ट मेंटेन करने, मार्केटिंग एवं साफ सफाई हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 10 से रात 9 तक 97559 74392 (32622)

आवश्यकता है-(1)ड्राईवर (वेन/ स्विफ्ट) चलाने हेतु 8वीं पास (2) प्राचार्या (नर्सरी से 8वीं अंग्रेजी माध्यम हेतु। सम्पर्क करें-(9-11am) भारत भारती विद्या मंदिर, कस्तूरबा नगर जरहाभाठा, बिलासपुर 9300654801, 97558 54925 (32569)

आवश्यकता है-Reliance jio 5G कंपनी में पार्ट/ फुल टाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/लड़कियां गृहणियां स्टूडेंट कमाए 21500- 67500 महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whats app करें- 93304 60875, 62960 26501 (6759)

बेचना

बेचना है-मुख्य मार्ग से मात्र 90मीटर पर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट बाउंड्रीयुक्त परिसर मे मात्र 930/- प्रति वर्गफुट फाइनेंस उपलब्ध प्लॉट तोरवा लालखदान ओवर ब्रिज से आगे मेन रोड पर संपर्क ऑफिस- जेबीएस इंफ्रा डेवलपर्स संजय अग्रवाल जेपी रेसीडेंसी, होटल रेड डायमंड के पहले, मुर्राभटठा, बिलासपुर 9300000195, 93003 24970 (32587)

बेचना है- तिवारी चॉल राजेन्द्र नगर में 28×70= 1960 वर्गफुट की पूर्व मुखी जमीन एवं तेलीपारा में 20×60= 1200 वर्गफुट की दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9827473604, 9131452265 (32625)

बेचना है- फ्लैट बेचना है सर्व सुविधा युक्त फ्लैट 2BHK, प्रथम तल पर, जीवाजी हाइट्स कपिल नगर सरकंडा बिलासपुर में बेचना है। सम्पर्क करें- 9754266665, 98271 02841 (32609)

बेचना है-हाईकोर्ट के सामने स्थित रामा वैली कॉलोनी में बड़े गार्डन के सामने वास्तु अनुरूप बेस्ट उत्तर एवं पूर्व मुखी 60×60 का कॉर्नर प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 98271 24040, 7000875289 (32645)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK फ्लेट, टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एस.के. बिल्डर्स & डेवलपर्स 8839455596, 7697644444 (31998)

बेचना है-TNC Rera Approved प्लाट मंगला लोखंडी मुख्य मार्ग पर लेआउट, डायवर्टेड प्रोजेक्ट 100 परिवार, निवासरत मंदिर, गार्डन, बाउंड्रीवॉल, गार्ड मात्र 1199/- वर्गफीट बैंक फाइनेंस सुविधा सम्पर्क करें- 97136 66001, 9993864783 (32320)

बेचना है- मैग्नेटो माल के आगे सांई परिसर में स्थित B-101 फर्स्ट फ्लोर में 3BHK फ्लैट को बेचना है (नोट ब्रोकर मैन सम्पर्क ना करें) केवल लेवाल ही सम्पर्क करें- 9827198152 (32628)

बेचना है-DPS स्कूल एवं बस स्टैंड बिलासपुर से 1.5km जीएसटी आफिस से लगा 80' चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर नवनिर्मित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स सेल/रेंट पर उपलब्ध, सम्पर्क- 9340090620 7898918151 (31649)

बेचना है-यदुनन्दन नगर तिफरा (सूर्या विहार फेज 2) में उत्तर मुखी डायवर्डेट प्लाट बेचना है 18×50, 20×50, 30×50 कीमत 1500 रुपए वर्गफिट, सीसी रोड, बिजली खम्बा, सम्पर्क करें- 98263 14444 (32632)

बेचना है-प्राइम लोकेशन अशोक नगर बिरकोना बिलासपुर में 147 फिट फ्रंट में 19184 वर्गफीट का शानदार कमर्शियल प्लाट डबल रोड में हॉस्पिटल, हॉस्टल कांप्लेक्स एवं इन्वेस्टमेंट के उपयुक्त बेचना है सम्पर्क करें- 98279 73060, 9575788444 (2444)

बेचना है-280×45= 12600 वर्गफुट डामर नहर रोड पर बिरकोना से खूंटाघाट जो नहर रोड जाता है प्लाट नहर रोड सेमरताल में पड़ेगा बेचना है कीमत 500/- फुट सम्पर्क करें- 9300328495, 98279 38236 (32626)

बेचना है-सकरी शहर के मध्य पक्की रोड से लगी हुई 12×18 की ग्राउण्ड फ्लोर में 2 दुकान, 12×18 की फर्स्ट फ्लोर में 2 दुकान तथा 20×8 का खुला प्लाट बटालियन चौक, नया बाजार के पास सकरी में बेचना है। सम्पर्क करें- क्रांतिलाल साहू 9329646270, 79873 58440 (32472)

बेचना है-सेंट्रल यूनिवर्सिटी, सुंदर लाल शर्मा यूनिवर्सिटी एवं उषा वैली कालोनी के पास बिरकोना बिलासपुर में 1 एकड़ 30डिसमिल 56680 वर्गफीट रजिस्ट्री की हुई जमीन बेचना है सम्पर्क करें-9406441535, 9827973060 (2443)

बेचना है-न्यू हाईटेक बस स्टैण्ड से 2 किलोमीटर दूरी पर यदुनन्दन नगर तिफरा में 550/- प्रति वर्गफिट से लेकर 800/-, 1100/-, 1300/-, 1500/- तक प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 7770844420, 88897 37420 (32598)

किराया

किराया-शांति नगर, रिंग रोड नम्बर-2, में सेकेण्ड फ्लोर पर, 2 BHK सर्व सुविधा युक्त मकान किराये पर देना है। किराया 15000/- सम्पर्क करें 8839065508 (दलाल संपर्क ना करे) (32616)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

ज्योतिष

ज्योतिष-फ्री सेवा घर बैठे समाधान 7347259119 प्यार में धोखा, वशीकरण, सौतन, दुश्मन छुटकारा, लव मैरिज, रूठें मनाना, ग्रह कलेश, किया कराया, दवाई ना लगना, कारोबार, प्रेमी पति संतान अनबन (समस्या कैसी भी जड़ से खत्म) 7347259119 (12146)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये गये किसी भी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Education INSTITUTIONS
ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट
(शासन द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान)
संपूर्ण भारत में 50 से अधिक केन्द्र
छत्तीसगढ़ में एकमात्र केन्द्र
सेनेटरी इंस्पेक्टर
स्वच्छता निरीक्षक डिप्लोमा कोर्स
(न्यूनतम योग्यता -12वीं पास)
एक वर्षीय कोर्स
हॉलिडे बैच की सुविधा उपलब्ध
रोजगार के अवसर
नगर निगम / पालिका / पंचायत, रेल्वे, AIIMS, कंटोन्मेंट बोर्ड (रक्षा विभाग), पेस्ट कंट्रोल एजेंसीज, होटल एवं हॉस्पिटलिटी उद्योग, जलापूर्ति एवं विसंक्रमण एजेंसी, चिनी मिल, स्वच्छ भारत अभियान पर केन्द्रित संगठन एवं अन्य विभाग.
ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रवेश की सुविधा
स्वच्छता योद्धा बने प्रवेश हेतु
संपर्क करें- 7987637627, 9977337777, 0771-4915511
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
प्रथम तल, आदर्श टावर, लिबास टेलर के बाजु, तात्यापारा चौक के पास, रायपुर, (छ.ग.) 492001,
Website: www.aiilsg.org

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें

- शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-मो.9827168452, 9300625174
- रिद्धी-सिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:-मो.9826129386
- जे.जे.एडवरटाइजर्स:-मो.9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:-मो.9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-मो.9826705603
- एड प्रयास:-मो.9826701269, 9926003943
- एम.जी.आर.एडवरटाइजर्स:-मो.9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:-मो.9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:-मो.9425540759
- अमित पब्लिकेशन:-मो.9826304304,9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:-मो.9302462506
- माधवास & कम्पनी:-मो.9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:-मो.9827466133, 9907047586

Medicare Specialists

सोरियासिस (Psoriasis)
बिना रोगी को देखे मोबाईल से फोटो भेजकर दवा बेचने वालो से फोन द्वारा दवा मंगाने से कुछ नही होगा कोई समस्या हो जाये तो किसको कहां कहने जायेंगे। चिकित्सा के समय डॉक्टर के निगरानी में रहना जरूरी होता है। सावधान! सोरियासिस लाईलाज एक जटिल रोग है इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूरी चिकित्सा है ही नही। यह वात, पीत कफ तीनो की विकृती त्रिदोषज अर्थात इम्यून डिसऑर्डर रोग है। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनो नही है। सिर के रूसी का भ्रम, शरीर मे तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखूनो का सड़ना उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ो मे सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमे कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नहीं जाता दब जाता है इससे कईयो के लीवर एवं किड़नी खराब हो गये और कई लोग हाईबीपी के शिकार हो गये यदि सफेद दाग (ल्यूकोडमा) एवं समस्त लाईलाज चमड़ी रोगों से परेशान हो।
वायरो रिसर्व एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.) भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरूस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित मो. 9425555659, 9617789223
डॉ. वी.के. अग्रवाल (बीएएमएस) (आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि.न. 00255 मो. 9303948500
निशांत अग्रवाल (फार्मासाईटिस्ट) मो. 9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने, बजाज (गोल्ड) फाईनेंस के पीछे दुर्ग (छ.ग.) समय - शाम 4 बजे से 7 बजे।
अपाईटमेंट फोन से (गुरूवार अवकाश)

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
होटल आशीष इंटरनेशनल जी.ई.रोड पॉवर हॉऊस बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन: सुबह 9 से शाम 7 बजे रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- नि:संतान दम्पति आज ही मिले।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख को खिलाड़ियों ने कहा-ऐतिहासिक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

22 जनवरी का दिन रामभक्तों के लिए काफी ऐतिहासिक है। सोमवार ही के दिन अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12.20 बजे से हुई। मगर इससे पहले ही देशभर से रामभक्त अयोध्या पहुंच चुके थे। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह शामिल हुए। टीम इंडिया के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की तस्वीर वायरल हो रही है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी पहले ही अयोध्या पहुंच गए थे। उनका भी लखनऊ पहुंचने का वीडियो पहले ही वायरल हो गया था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद पहले से ही अयोध्या में थे। वेंकटेश प्रसाद वहां से तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। प्रसाद का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वेंकटेश वीडियो में कह रहे हैं, 'एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम।'

बस राममय हूं

सहवाग ने एक्स पर लिखा, 'भावुक हूं, आनंदित हूं। मर्यादित हूं, शरणागत हूं। सन्तुष्ट हूं, निःशब्द हूं। बस राममय हूं। सियावर रामचंद्र जी की जय। राम लला आ गए। सभी जिन्होंने इसको सम्भव किया, बलिदान दिया, उनका कृतज्ञ। जय श्री राम।'

- वीरेन्द्र सहवाग

जय श्री राम

'खुशी के आंसू और दिल भक्ति और खुशी से भरे हुए। सियावर रामचन्द्र जी की जय। जय श्री राम।'

- वीवीएस लक्ष्मण

यह एक अद्भुत अवसर

'यह एक अद्भुत अवसर है, एक बहुत ही दिव्य अवसर। इसका हिस्सा बनकर धन्य हूं। यह ऐतिहासिक है। राम लला से आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं।'

- अनिल कुंबले

राम मंदिर से शांति और आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा

जोहानिसबर्ग। *दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सराहना करते हुए उम्मीद जतायी कि यह पूरी मानवता के लिए शांति और सद्भाव लाएगा। महाराज जब क्रिकेट के मैदान पर उतरते हैं तब आम तौर पर स्टेडियम में 'राम सिया राम' की धुन बजने लगती है। इस 33 साल के वामहस्त स्पिनर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की सराहना करते हुए अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो साझा किया।इस वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'मैं महेश कुमार (जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत) और दक्षिण अफ्रीका में पूरे भारतीय समुदाय को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान लाए।' केशव महाराज के परिवार का ताल्लुक मूल रूप से उत्तर प्रदेश ये है। उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि इस धुन से वह सहज महसूस करते हैं।*

ऑस्ट्रेलियन ओपन : कूलहोफ और मेकटिक को 7-6 7-6 से हराया

बोपन्ना-एब्डेन की शानदार जीत क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ⏭ मेलबर्न

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को यहां नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई लेकिन 14वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

प्री क्वार्टर फाइनल मैच का रोमांच

बोपन्ना की सर्विस ने शुरुआत में उन्हें निराश किया। पहले सेट के दूसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर विरोधी जोड़ी ने 15 मिनट के भीतर 3-0 की बढ़त बना ली। हाल में डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने हालांकि कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए। पहले सेट के सातवें गेम में कूलहोफ और मेकटिक की जोड़ी ने कुछ सहज गलतियां की और भारत-ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को वापसी का मौका दिया। बोपन्ना ने इसके बाद नेट पर शानदार खेल दिखाया और ढेरो अंक बटोरे। दूसरे सेट की शुरुआत में भी बोपन्ना ने सर्विस गंवाई जिससे नीदरलैंड-क्रोएशिया की जोड़ी 4-2 से आगे हो गई। आठवें गेम में बोपन्ना और एब्डेन ने एक बार फिर विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर वापसी की। टाईब्रेकर में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और फिर सेट और मैच जीत लिया।

मेदवेदेव ने दर्ज की जीत

दानिल मेदवेदेव ने सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

डायना की धमाकेदार जीत

डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के पूल बी में शामिल

लुसाने। एशियाई खेलों के चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इस साल के पेरिस ओलंपिक खेलों में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में कठिन पूल बी में रखा गया है। आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत के साथ पूल बी में ओलंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेल्जियम, बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया, रियो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें हैं। भारत वर्तमान में बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। टीम के लिए टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना को हराना मुश्किल साबित होगा। इस बीच, पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने रविवार को एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पूरा होने के बाद पुरुष और महिला हॉकी प्रतियोगिता के पूल की घोषणा की। पेरिस में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

दीपक और निशांत भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है। दोनों 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है। दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई। दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है। युवा महिला विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), गत राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद् रतनपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र. / 2125 / न.पा./ लो. नि. / 2024 रतनपुर दिनांक 19.01.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर. नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	Bid Due Date	Physical Documen Sub.
151911	खण्डोबा मंदिर होते हुये महामाया चौक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 199.55	12/02/24	13/02/24
151923	वार्ड क्र. 06 बुढामहादेव मंदिर होते हुये रामटेकरी मंदिर स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य		12/02/24	13/02/24
	वार्ड क्र. 15 मेनरोड होते हुये मुशेशाह दरगाह तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 30.17		
	वार्ड क्र. 03 से मेनरोड से होते हुये बैरागबन मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 66.69		
	वार्ड क्र. मेनरोड से होते हुये महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य			
	वार्ड क्र. 03 चपोरा से मेनरोड से महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य			
	वार्ड क्र. 07 मेनरोड होते हुये गिरजाबंद मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 57.66		
	कुल योग	**Rs.154.52**		

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् रतनपुर

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, rule 20 of the Code of Civil Procedure)
In the court of Sh. Surinder S. Rathi
District Judge, Commercial Court-03, Shahdara District
Room No. 303, New Building, Karkardooma Court, Delhi
Case Reg. No. : CS(COMM) No. 361/2023
Apollo Pipes Limited
Versus
Prahar Fire Safety Service
To,
1. Prahar Fire Safety Services
C/o Mr. Harishankar Yadav
2. Mr. Harishankar Yadav
C/o M/s. Prahar Fire Safety Services
Both at : Tilak Nagar, Infront of Vithal Mandir,
Bilaspur-495001, Chhattisgarh,
Mobile:- 7354499641
Email : praharfiresafety@gmail.com

WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **29-01-2024** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.

GIVEN under my hand and seal of the court, this 03-01-2024. Sd/
District Judge, Commercial Court-03, Shahdara District
Seal Karkardooma Court, Delhi

कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट से हटे

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हट गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की श्रृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी। बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, 'विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट से उन्हें हटाने का आग्रह किया है। विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है लेकिन कुछ निजी स्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है।

रोहित उदाहरण पेश करने वाले कप्तान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को 'जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, 'हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है।'

IndusInd Bank
VEHICLES/MACHINERY AUCTION NOTICE
Online/ Offline bids are invited for the sale of the following vehicles/machinery, on 'as is where is' basis:

Sl.No.	Branch	Contract No.	Customer Name	Regd. No.	Yard Name & Address
1	Manendragarh	FBA02069C	Lal Dev	CG10AB4183	MAHAMAYA YARD, AMBIKAPUR
2	Janjgir	FJR00846C	Sumit Kumar Miri	CG11AP0345	R S PARKING YARD, KORBA
3	Raigarh	FBE01430C	BALRAM CHANDRA	CG13UF7743	SAGAR PARKING YARD RAIGARH
4	Bhilai	FBB01071C	MAHENDRA KUMAR	CG07AW3399	LUCKY PARKING, DURG

For any queries or inspection of the vehicles, please contact us at: Indusind Bank Ltd, 3rd Floor, Ravi Bhawan, Raipur (C.G.) **Call: 0771-4255804, Last Date : 29th Jan., 2024.**
The borrowers/co-borrowers/successors/heirs concerned are hereby once again called upon to clear their dues before the above mentioned last date, failing which we shall be constrained to sell the vehicle and recover from them further loss, if any.
-Authorized Officer
Date : 22nd January, 2024, Raipur www.indusind.com
"Now View, Select and Bid on your favourite Bike/Car online! Register on https://induseasywheels.indusind.com"

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **(1) नितेश एक्का**, पुत्र जेम्स एक्का, निवासी ग्राम पैंग्रो कंशाबेल, जिला जसपुर, छत्तीसगढ़, **(2) शांति लाल तिग्गा उर्फ डाकू उर्फ गुड्डु**, पुत्र प्रभु दयाल तिग्गा, निवासी ग्राम कोतबा, थाना बाग बहार, जिला जसपुर, छत्तीसगढ़, ने **एफआईआर संख्या 148/2015, धारा 20/25/29 एनडीपीएस एक्ट और 120बी/174ए आईपीसी, पुलिस थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नितेश एक्का** और **शांति लाल तिग्गा उर्फ डाकू उर्फ गुड्डु**, मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **नितेश एक्का** और **शांति लाल तिग्गा उर्फ डाकू उर्फ गुड्डु**, फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है की उक्त अभियुक्त **नितेश एक्का** और **शांति लाल तिग्गा उर्फ डाकू उर्फ गुड्डु**, केस **एफआईआर संख्या 148/2015, धारा 20/25/29 एनडीपीएस एक्ट और 120बी/174ए आईपीसी, पुलिस थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.03.2024** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अरुल वर्मा,
ए.एस.जे. – 04 और विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस) (द.पू.),
कमरा नंबर 312,
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, दिल्ली

DP/756/Crime/2024
(Court Matter)

राशिफल

मेष — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — फिर भी व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी

कुंभ — फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा।

शब्द पहेली - 5403

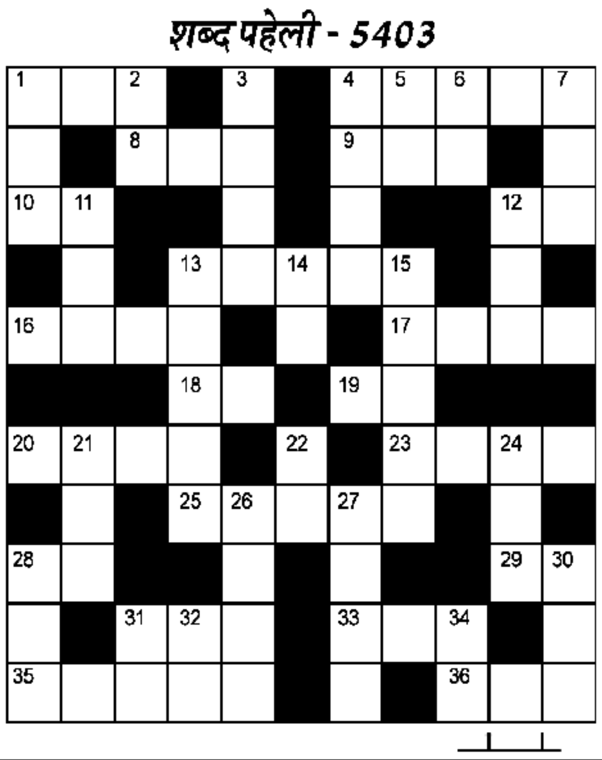

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5402 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	टा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झों			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	जा	न

सूडोकु नवताल - 5413

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5412 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

22- JAN- COR- MAIN- Pg- 10 RAJDHANI_Layout 1 1/22/2024 10:35 PM Page 1

अरपा नदी समेत प्रदेश के अन्य इलाकों में हो रहे मिट्टी और रेत के अवैध उत्खनन पर पेश हुए

मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में दिया शपथपत्र, माना कि अंबिकापुर में पहाड़ से 30 हजार मैट्रिक टन मुरुम का खनन कर लिया गया

हाईकोर्ट में प्रकरण की अगली सुनवाई 2 सप्ताह बाद होगी, कलेक्टर ने भी शपथपत्र पेश किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

अरपा नदी समेत प्रदेश के अन्य इलाकों में हो रहे मिट्टी और रेत के अवैध उत्खनन पर आज प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने हाईकोर्ट में शपथपत्र पेश करते हुए माना कि अंबिकापुर में मुरुम का अवैध खनन हो रहा है। सरगुजा कलेक्टर ने भी मामले में शपथपत्र दिया है। हाईकोर्ट में प्रकरण की अगली सुनवाई 2 सप्ताह बाद होगी।

गौरतलब है कि इससे पूर्व हुई अरपा अर्पण महाभियान की जनहित याचिका की सुनवाई में चीफ जस्टिस ने राज्य शासन के मुख्य सचिव से व्यक्तिगत शपथपत्र पर जवाब मांगा था। सोमवार को मुख्य सचिव ने अपना शपथपत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरगुजा स्थित पहाड़ से 30 हजार मैट्रिक टन मुरुम का खनन कर लिया गया है। इसे रोकने शासन योजना पूर्वक काम करेगा। सरगुजा के जिला कलेक्टर ने भी अपना शपथपत्र देकर खनन को रोकने कार्रवाई करने की बात कही है।

महामाया और लुचकी पहाड़ को काट डाला

गौरतलब है कि अम्बिकापुर के महामाया पहाड़ के वृहद क्षेत्र में अवैध उत्खनन किया जा रहा है। पिछले 15 दिनों में पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा समतल मैदान के रुप में तब्दील हो गया है। लुचकी पहाड़ में सुबह से ही जेसीबी वाहनों की मदद से पहाड़ के हिस्से से मुरुम का उत्खनन किए जाने की खबरें लगातार सामने आईं थीं। हाईकोर्ट ने इसे संज्ञान में लिया है। शिकायत के मुताबिक अवैध उत्खनन करने वाले लोगों ने यहां पहुंचने के लिए खुद ही रास्ता बना लिया है। पहाड़ के इस हिस्से में भीतरी क्षेत्र से तैयार किए गए अंदरुनी अस्थाई रास्ते के चलते सामान्य तौर पर मुख्य मार्ग से गुजरने वाले लोगों को इस अवैध काम का आभास नहीं हो सकता। इस काम में बड़े माफिया की संलप्तिता के साथ यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि यह मामला सिर्फ अवैध उत्खनन का नहीं, बल्कि इसके जरिए सुनियोजित तरीके से अवैध कब्जे की साजिश हो रही है।

हाईकोर्ट ने कार्रवाई और योजना की जानकारी मांगी

अरपा नदी में डूबकर हुई तीन बच्चियों की मौत के मामले और एक अन्य जनहित याचिका पर भी हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। चीफ जस्टिस की डीविजन बेंच द्वारा बच्चियों की मौत को लेकर पूर्व में दिए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश पर पिछली सुनवाई में उप संचालक खनिज बिलासपुर ने शपथपत्र पेश कर दिया था। इसमें दोषी रेत ठेकेदार के मामले में जांच रिपोर्ट भी शामिल है। पिछली सुनवाई में चीफ जस्टिस ने बच्चियों के मामले में पहले बताए गए चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी पुलिस प्रशासन को दिए थे। हाईकोर्ट ने इस पर शासन के मुख्य सचिव से यह जानना चाहा है कि सरकार अवैधानिक खनन को लेकर कितनी गंभीर है। कोर्ट ने इसके लिए माइनिंग सेक्रेटरी को शपथपत्र पर लिखित जवाब पेश करने निर्देशित भी किया था इसमें शासन की कार्रवाई और योजना की जानकारी मांगी गई है।

भूपेश ने कहा-अब धार्मिक स्थलों पर भी इनका नियंत्रण चलेगा क्या?

रायपुर। असम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को मंदिर जाने से रोकने कर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हिमंता बिस्वा शर्मा एक डरपोक प्राणी हैं, इसका अनुभव मैंने असम विधानसभा चुनाव में पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करते हुए ही कर लिया था। मंदिर जाने से रोकना? समझ क्या रखा है? अब धार्मिक स्थलों पर भी इनका नियंत्रण चलेगा क्या? ये गुंडागर्दी ज़्यादा दिन की नहीं है। समझ लीजिए, जब कोई सुबाहु और मारीच किसी को पूजा, यज्ञ करने से रोकते हैं, तब-तब प्रभु श्रीराम उसका वध करते हैं।

न्याय यात्रा की तैयारियों पर बैज करेंगे जिला कांग्रेस से मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अगले माह राहुल गांधी की न्याय यात्रा रायगढ़ से प्रवेश करेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मंगलवार से सारंगढ़ और रायगढ़ जिले का दौरा कर न्याय यात्रा के रूट के आधार पर जिला कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक कर इसे सफल बनाने पर मंथन करेंगे। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भी चर्चा करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज कल रायपुर से सारंगढ़ जिला पहुंचकर वहां पर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक लेकर उन्हें लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। विधानसभा चुनाव में सारंगढ़ में कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के लिए जुटने और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने की रणनीति बनाएंगे। वहां से वे रायगढ़ रवाना होंगे। रायगढ़ में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में न्याय यात्रा के ओडिशा के झारसुगड़ा से यहां प्रवेश करने की जानकारी के साथ ही जिला कांग्रेस के साथ चर्चा करेंगे। रायगढ़ से आगे सक्ती, जांजगीर, अंबिकापुर और मनेंद्रगढ़ होते हुए उत्तरप्रदेश में प्रवेश करेगी। यहां पर वे इस यात्रा के स्वागत और आगे के कार्यक्रमों की रणनीति तैयार करेंगे।

जांजगीर और मुंगेली भी जाएंगे

बिलासपुर में रात्रि विश्राम के बाद वे वहां से 25 जनवरी को जांजगीर-चांपा रवाना होंगे। यहां से भी न्याय गुजरेगी। यहां के जिला कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक कर यात्रा के संबंध में स्थानीय स्तर पर तैयारी करने के आलवा यहां से आगे की मार्ग के बारे में चर्चा करेंगे। श्री बैज यहां से मुंगेली पहुंच कर वहां के जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों से चर्चा कर उन्हें लोकसभा चुनाव में सक्रियता से भाग लेने और वहां के जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यों का ब्योरा लेंगे। वहां से वे वापस रायपुर लौटेंगे।

रंगोली से बनाई अयोध्या मंदिर का चित्र

रायपुर। भगवान प्रभु श्रीराम मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर गुढ़ियारी रामनगर के नेहा राजपूत ने अयोध्या मंदिर का रंगोली से चित्र बनाई। जिसे देखकर दर्शनों का मन मोह लिया। इस चित्र का लोगों ने बहुत प्रशंसा की।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com